

## डॉ. टेड हिल्डेब्रांट ओटी इतिहास, साहित्य, और धर्मशास्त्र, व्याख्यान 14

© 2012, डॉ. टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. टेड हिल्डेब्रांट और उनका ओल्ड टेस्टामेंट इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र पाठ्यक्रम है: लेवितस के बलिदानों और पर्वों पर व्याख्यान संख्या 14 और संख्याओं की पुस्तक पर प्रारंभिक चर्चा।

### ए. लेवितिकस समीक्षा/पूर्वावलोकन [0:00-3:53]

आइए प्रार्थना के एक शब्द के साथ शुरुआत करें और फिर हम आज की कक्षा में उतरेंगे: पिता, हम इस दिन के लिए आपको धन्यवाद देते हैं। न्यू इंग्लैंड में एक खूबसूरत पतझड़ के दिन के लिए हम आपको धन्यवाद देते हैं, और हमें एहसास होता है कि स्वर्ग भगवान की महिमा की घोषणा करता है। हे प्रभु, हे हमारे प्रभु, तेरा नाम सारी पृथ्वी पर कितना प्रतापी है। आपने हमें देखने के लिए आंखें, सुनने के लिए कान, स्वाद लेने के लिए जीभ और अपनी रचना को संभालने के लिए हाथ दिए हैं। हम सिर्फ आपकी अच्छाई और आपकी महानता के लिए आपको धन्यवाद देते हैं। यीशु मसीह के लिए और उनके द्वारा किए गए महान बलिदान के लिए और पुराने नियम में उन सभी बलिदानों के लिए धन्यवाद, जो मसीह की ओर संकेत करते थे, सभी समय के लिए महान बलिदान। इसलिए हम आपको धन्यवाद देते हैं कि आपने हमें इतना प्यार किया कि अपने बेटे को भेजा। हम प्रार्थना करते हैं कि आप आज भी हमें उनके नक्शेकदम पर चलने में मदद करें। उनके अनमोल नाम में हम प्रार्थना करते हैं, आमीन।

आइए वापस वहीं चलें जहां हम पिछली बार थे। हम आज लैविकस को समाप्त करने जा रहे हैं और संख्याओं की पुस्तक में शामिल होंगे, और इसलिए हमारे पास लैविकस में काम करने के लिए काफी विवरण हैं। हम आज लैविकस में दो काम करने जा रहे हैं। एक होगा बलिदान। मैं तुम लोगों को सिखाऊंगा कि याजक कैसे बनें और याजकीय बलिदान कैसे करें। फिर दूसरी बात यह है कि वास्तव में भारी पुरोहिताई सामग्री करने के बाद, हम इज़राइल के पर्वों के बारे में बात करेंगे। इस्राएल के पर्व उत्सव के समय थे। तो, आइए बलिदानों से शुरुआत करें।

जैसे ही आप लेवितिकस की पुस्तक के पास पहुंचते हैं, उनमें से एक प्रश्न यह उठता है कि ये सभी बलिदान हैं। आप आश्चर्य करते हैं, "इतने सारे अलग-अलग प्रकार के बलिदान क्यों हैं?"

इसलिए मैं पाप के विभिन्न पहलुओं के संदर्भ में इसे शामिल करते हुए विभिन्न प्रकार के बलिदानों की व्याख्या करना चाहता हूँ। इसलिए मैं पाप के इन विभिन्न पहलुओं पर गौर करना चाहता हूँ जो सामने आते हैं। आम तौर पर जब लोग पाप के बारे में सोचते हैं, तो उन्हें लगता है कि यह एक प्रकार की एकात्मक सपाट अवधारणा है। दूसरे शब्दों में, पाप पाप है, और यह सिर्फ इतना है कि आपने कुछ गलत किया है और बस इतना ही। लेकिन वास्तव में पाप चीजों का एक जटिल समूह है, और इसलिए हम उस पर गौर करना चाहते हैं।

### **बी. पाप के विभिन्न पहलू: क्रोध/प्रायश्चित्त** [3:54-5:19]

पहली चीज़ जो पाप करता है, और हम इसे संख्याओं की पुस्तक में देखते हैं जिसे हम बाद में देखेंगे, वह यह है कि जब लोग पाप करते हैं तो भगवान क्रोध के साथ प्रतिक्रिया करते हैं। संख्याओं की पुस्तक में, आपको याद है, जब वे जंगल में भटक रहे होते हैं, तो पाप की प्रतिक्रिया के रूप में भगवान क्रोधित हो जाते हैं। आप गुस्से को कैसे संभालते हैं? वहाँ प्रायश्चित्त है। प्रायश्चित्त क्या है? आप में से कुछ लोग जानते हैं कि प्रायश्चित्त क्या है। मेरे मामले में, मैंने कुछ ऐसा किया जिसके बारे में मुझे पता था कि मेरे पिताजी बहुत नाराज होंगे, इसलिए मैंने स्वेच्छा से, अकेले ही, उनसे पूछे बिना लॉन काट दिया ताकि जब वह घर पहुंचे, तो वह देखे कि लॉन काटा गया था और उसका अनुकूल व्यवहार किया जाएगा। मैं घर आया, मेरी पत्नी किसी बात पर मुझसे नाराज थी और मैंने कुछ गलत किया, क्या मैं फूल खरीदूंगा? क्या फूल इसे ढक देते हैं? कभी कभी हाँ। क्या फूल उल्टा असर कर सकते हैं? यदि फूल संरक्षण कर रहे हैं तो फूल काम नहीं करते। इसलिए आपको फूलों से सावधान रहना होगा - वे किसी भी दिशा में जा सकते हैं। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि आप उनके गुस्से को शांत करने के लिए कुछ अच्छा करें। इसलिए प्रायश्चित्त का संबंध भगवान के क्रोध से है जिसे प्रसन्न करने या शांत करने की आवश्यकता है। फिर, हम क्रोध के बारे में अधिक बात करेंगे - हमारी संस्कृति क्रोध से निपटने में बिल्कुल भी अच्छा नहीं है।

### **सी. पाप के पहलू: प्रदूषण/शुद्धि** [5:20-6:04]

पाप प्रदूषण का कारण बनता है। पाप की एक अशुद्ध प्रकृति है जो प्रदूषण का कारण बनती है। क्या आप में से कोई कभी ऐसे वातावरण में रहा है जो इतना पापपूर्ण हो कि आपको वास्तव में शारीरिक रूप से गंदा महसूस हुआ हो? मैं कभी-कभी ऐसे वातावरण में रहा हूँ जहाँ आप वास्तव में

गंदा महसूस करते हैं। यह प्रदूषण का विचार है - आप प्रदूषण, पाप की गंदगी को महसूस करते हैं। अतः शुद्धिकरण की आवश्यकता है। धर्मग्रन्थ में अनेक बार शुद्धि किस द्रव्य से की जायेगी? पानी। वे शुद्धिकरण के लिए जल का उपयोग करेंगे। अतः पाप के प्रदूषण से शुद्धिकरण की आवश्यकता है।

### **डी. पाप के पहलू: अपराधबोध/शर्मिंदगी/प्रायश्चित** [6:05-7:11]

अब ग्लानि और लज्जा है। क्या आप में से किसी ने कभी कुछ गलत किया है और हमारे यहां यह परंपरा रही है, जहां मूल रूप से, आप अपने शयनकक्ष में भागते हैं, आप अपने बिस्तर में गोता लगाते हैं, आप कंबल और तकिया को अपने सिर के ऊपर खींचते हैं और आशा करते हैं कि आप पकड़े नहीं जाएंगे। यह शर्म और अपराध बोध के लिए एक आवरण की आवश्यकता का विचार है। वैसे, क्या हम शर्म-रहित संस्कृति में रहते हैं? ऐसी कोई भी चीज़ नहीं है जो हमें शर्मसार करती हो, लेकिन उन दिनों शर्मिंदगी सचमुच बहुत बड़ी चीज़ थी। आप शर्मिंदा करने के लिए क्या करते हैं? आप इसका प्रायश्चित करें। "प्रायश्चित" का क्या अर्थ है ? "प्रायश्चित" का अर्थ है कि आप शर्म के लिए एक आवरण प्रदान करते हैं। और इसलिए, आदम और हव्वा बगीचे में पाप करते हैं। क्या उन्हें शर्म आती है? तो वे अपने साथ क्या करते हैं? वे अपने आप को ढक लेते हैं. वे झाड़ियों में छिप जाते हैं. और इसलिए, मूल रूप से, कवर करने की आवश्यकता है। इस आवरण को "प्रायश्चित" कहा जाता है। लज्जा और ग्लानि पर पर्दा डालने की जरूरत है।

### **ई. पाप के पहलू: क्षति/क्षतिपूर्ति** [7:12-9:58]

क्या पाप वास्तव में अन्य लोगों को नुकसान पहुँचाता है? कोई कुछ चुराता है, क्या इससे वास्तव में किसी और को नुकसान होता है? किसी चीज़ को चुराना वास्तव में किसी और को नुकसान पहुँचाता है। इसलिए जब आप कोई चीज़ चुराते हैं और पकड़े जाते हैं तो आपको उसका बदला चुकाना पड़ता है। आपको इसे चार के गुणक में वापस भुगतान करना होगा। तुमने जो लिया है उसका चार गुना तुम्हें वापस चुकाना होगा। तो यह क्षतिपूर्ति है। वैसे, क्या हमारी संस्कृति प्रतिशोध को बहुत अच्छी तरह से मानती है? एक व्यक्ति अपराध करता है; क्या उन्हें मुआवज़ा देना होगा या हम उन्हें बस जेल में डाल देंगे? हम उन्हें जेल में डाल देते हैं. एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति का उल्लंघन करता है और उसे नुकसान पहुँचाता है लेकिन क्या उन्हें कभी उस व्यक्ति से क्षतिपूर्ति करनी पड़ती

है जिसे उन्होंने चोट पहुंचाई है? अधिकतर, हमारी संस्कृति में नहीं। वहां व्यक्ति को उस व्यक्ति का सामना करना पड़ता है जिसे उन्होंने पीड़ित किया है, उन्हें क्षतिपूर्ति करनी होती है। हमारी संस्कृति में, हम बस उन्हें बंद कर देते हैं और पीड़ित को अपनी सुरक्षा स्वयं करनी पड़ती है। तो, यह क्षतिपूर्ति का विचार है। नुकसान तो होता ही है, पाप से इंसान का नुकसान होता है। क्षतिपूर्ति यह है कि आपने जो किया उसे वास्तव में ठीक करने का प्रयास करना होगा।

इसलिए, उदाहरण के लिए, कोई हमारी संस्कृति में कुछ गलत करता है। क्या आपमें से किसी ने कभी देखा है कि उन्हें इतने घंटे सामुदायिक सेवा कहाँ करनी पड़ती है। दूसरे शब्दों में, उन्होंने समुदाय का उल्लंघन किया इसलिए न्यायाधीश कहते हैं, "आपको 40 घंटे की सामुदायिक सेवा करने की आवश्यकता है।" क्या इसमें कुछ अच्छा है? व्यक्ति वास्तव में अपने द्वारा किए गए नुकसान की भरपाई के लिए काम कर सकता है। तो यह क्षतिपूर्ति की धारणा है। काश हमारी संस्कृति में प्रतिशोध की यह धारणा अधिक होती। मुझे लगता है कि इससे वास्तव में उन बहुत से लोगों को मदद मिलेगी जिन्होंने दूसरों का उल्लंघन किया है, अगर उन्हें वास्तव में नुकसान की भरपाई करनी पड़े।

[ छात्र का प्रश्न ] प्रायश्चित क्रोध की प्रतिक्रिया है और भगवान के क्रोध को शांत करने का प्रयास है। तो प्रायश्चित एक प्रकार की तुष्टीकरण की चीज़ है। मेरे मामले में, मैं अपनी पत्नी के लिए फूल खरीदता हूँ और उसे रात के खाने के लिए बाहर जाने के लिए कहता हूँ। मैंने जो कुछ गलत किया, उसकी भरपाई मैं उससे करने की कोशिश करता हूँ। इसलिए मैं उसका गुस्सा शांत करने की कोशिश कर रहा हूँ जिसकी मुझे उम्मीद है। इसका प्रायश्चित यह होगा कि उसके पास यह बहुत ही विशेष चीज़ है और मैंने अभी-अभी इसका भंडाफोड़ किया है। क्षतिपूर्ति क्या होगी? मैं उसके लिए एक नई चीज़ लाऊंगा और आशा करता हूँ कि शायद उसे पता भी न चले। लेकिन आप जानते हैं कि मैं क्या कह रहा हूँ, तुष्टीकरण क्या होगा? मैंने इसका भंडाफोड़ कर दिया, वह नाराज होने वाली है, और मैं उसके गुस्से को शांत करने की कोशिश करता हूँ। क्षतिपूर्ति है "अरे, मैं तुम्हें एक नया लाऊंगा।" तो दोनों में यही अंतर होगा। अच्छी बात।

**एफ. पाप के पहलू: साम्य टूटना/स्वीकारोक्ति** [9:59-12:00]

साम्य टूट गया है। पाप लोगों के बीच मेल-मिलाप को तोड़ता है। एक व्यक्ति जो दूसरे व्यक्ति

के बारे में झूठ बोलता है, दूसरे व्यक्ति के बारे में गपशप करता है, लोगों के साथ संबंध तोड़ता है। अतः समुदाय पाप से क्षतिग्रस्त है। आप समुदाय को कैसे पुनर्स्थापित करते हैं? यह स्वीकारोक्ति के माध्यम से किया जाता है। वैसे, क्या आपको नए नियम में याद है, यह कहा गया है कि "यदि हम अपने पापों को स्वीकार करते हैं, तो वह हमारे पापों को क्षमा करने में विश्वासयोग्य और न्यायकारी है"? पापों को समुदाय में स्वीकार करना होता है। फिर बहाली है। क्या आपमें से कोई ऐसे चर्च में गया है जहाँ चर्च में कुछ वास्तविक बुरा पाप हुआ हो, और चर्च एकत्रित हो गया हो, व्यक्ति अपने पाप स्वीकार करता हो, और चर्च उस व्यक्ति के चारों ओर एकत्रित हो गया हो, और उन्हें बहाल कर दिया हो? यह पुनर्स्थापना की प्रक्रिया है। वे वास्तव में महत्वपूर्ण प्रक्रियाएँ हैं: पाप की स्वीकारोक्ति और बहाली।

तो पाप के ये सभी पहलू हैं। अब, क्या इन चीज़ों से निपटने वाले बलिदानों के अलग-अलग पहलू होंगे? तो बलिदानों को यहां इनमें से कुछ अवधारणाओं के साथ काम करने के लिए स्थापित किया जाएगा। इसी तरह हम अपना बलिदान देते हैं। सबसे पहले है खून का महत्व। इब्रानियों 9:22 कहता है, "खून बहाए बिना पाप की क्षमा नहीं होती।" आखिरकार, पाप की माफ़ी के लिए किसका खून बहाया जाएगा? यीशु का खून। तो यीशु मर जाता है। क्या ईसाई धर्म, एक अर्थ में, एक खूनी धर्म है? यह बहुत है। यह मसीह के रक्त के माध्यम से है कि हम संपूर्ण बने हैं, हम शुद्ध हुए हैं। वैसे, क्या आपको वहां विडंबना समझ में आती है? मसीह के लहू से हम शुद्ध हो गये हैं। क्या रक्त आमतौर पर एक सफ़ाई एजेंट है? आमतौर पर यह खून का दाग है, लेकिन यहां खून का इस्तेमाल सफ़ाई के लिए किया जाता है। नए नियम में "खून बहाए बिना, पाप की क्षमा नहीं है"। पुराने नियम में यहूदियों को खून पीने की अनुमति नहीं थी। मांस खाने से पहले उन्हें जानवर का खून निकालना पड़ता था। इसलिए पुराने नियम में, यहां लेवितिकस की पुस्तक में, रक्त को विशेष रूप से स्वीकृत किया गया था, उन्हें रक्त खाने की अनुमति नहीं है।

### **जी. पांच प्रकार के बलिदान: संपूर्ण होमबलि** [12:01-13:24]

अब, बलिदान कैसे दिखते थे? मैं मूल रूप से इनमें से पाँच बलिदानों के बारे में जानना चाहता हूँ, जो प्रमुख प्रकार हैं। पाँच अलग-अलग प्रकार के बलिदान और ये लेवितिकस की पुस्तक के शुरुआती अध्यायों से हैं। हमारा पहला बलिदान संपूर्ण होमबलि है और यह वास्तव में जटिल है।

सम्पूर्ण होमबलि में क्या जलाया जाता है? सारा सामान जल जाता है. तो, पूरी चीज़ जल जाती है, और इसीलिए इसे "संपूर्ण होमबलि" कहा जाता है। क्या यह सबसे महँगा बलिदान होगा? हाँ। बलिदान कब दिया गया था? यह शाम और सुबह दिया जाता था। इसलिए सुबह वे पूरी होमबलि करेंगे और शाम को वे पूरी होमबलि करेंगे। सारा जानवर जल जायेगा। यह बलिदानों में सबसे महँगा है। यह चीज़ पूरी तरह से भगवान को समर्पित है क्योंकि पूरा जानवर जल गया है - पूरी तरह से भगवान को समर्पित है।

### एच. पाप/शुद्धि अर्पण [13:25-16:18]

अब , एक अन्य प्रकार की भेंट जो लैविकस, अध्याय 4 में होती है, उसे "पाप" या "शुद्धिकरण भेंट" कहा जाता है। आपकी बाइबल के अलग-अलग अनुवाद इन भेंटों का अलग-अलग अनुवाद करेंगे, लेकिन वे वास्तव में एक ही चीज़ हैं: पाप और शुद्धिकरण भेंट। इस पेशकश में व्यक्ति की हैसियत कुछ मायने रखती है. इसलिए यदि आप पुजारी हैं, तो आपको एक बैल या कोई बड़ा जानवर चढ़ाना होगा। यदि आप एक सामुदायिक नेता हैं, तो आप कुछ और भी प्रदान करते हैं। यदि आप एक नियमित व्यक्ति हैं, तो आप एक भेड़ या बकरी की बलि चढ़ाते हैं। इसलिए यदि आप एक पुजारी हैं, तो आपको और भी अधिक चढ़ावा देना होगा। यदि आप एक सामान्य व्यक्ति हैं, तो आप अपने लिए केवल एक भेड़ या एक बकरी की पेशकश करते हैं। इस बलिदान में सबसे दिलचस्प बात यह है कि यदि आप गरीब हैं, तो आप दो कछुए कबूतर चढ़ा सकते हैं। अब, यह मुझे नए नियम पर लाता है। लैव्यव्यवस्था की पुस्तक के बारे में सोचो। मैरी के पास यीशु एक पुत्र के रूप में हैं। वह यीशु को जन्म देती है। क्या मरियम अशुद्ध है? क्या प्रसव के बाद महिला अशुद्ध होती है? 33 या 66 दिन. उसकी अशुद्धता की अवधि समाप्त होने के बाद, क्या उसे आकर शुद्धि भेंट चढ़ानी होगी? हाँ। जब जोसेफ और मैरी शुद्धिकरण के लिए आते हैं, तो मैरी नए नियम में क्या पेश करती है? क्या किसी को वह याद है? दो कछुआ कबूतर. यह हमें उस संस्कृति में उनकी स्थिति के बारे में क्या बताता है? क्या यीशु का पालन-पोषण एक मध्यम वर्गीय परिवार में हुआ था या यीशु का पालन-पोषण एक गरीब परिवार में हुआ था? दो कछुआ कबूतर हमें बताते हैं कि यीशु अमीर नहीं थे। आप कहते हैं, "ठीक है, बढ़ई अच्छा यूनियन वेतन कमाते हैं!" वह बस बोस्टन में है। यीशु का पालन-पोषण एक गरीब परिवार में हुआ था। मैरी दो कछुए कबूतर पेश करती है। इससे

पता चलता है कि वे बिल्कुल भी उच्च स्तर के लोग नहीं थे और शायद इसका उलटा भी अधिक था। जब भी शुद्धिकरण की आवश्यकता होती है, वे इस प्रकार के बलिदान चढ़ाते हैं।

दूसरी बात जो इसके बारे में महत्वपूर्ण है वह यह है कि पुजारी को इसमें से कुछ खाने को मिला। वे जानवर के कुछ हिस्सों को भगवान के सामने लहराते थे और उन्हें खुद उसमें से कुछ खाने को मिलता था। वैसे, क्या इन बलिदानों में, परमेश्वर उसके पौरोहित्य का प्रबंध कर रहा था? क्या पौरोहित्य को वास्तव में इन बलिदानों से भोजन मिलता था? हाँ। तो, परमेश्वर पौरोहित्य की देखभाल कर रहा है क्योंकि याजकों के पास बहुत अधिक भूमि नहीं होगी। पुजारियों के पास खेत और ज़मीन की विरासत नहीं थी। उन्हें लेवीय नगर तो मिले परन्तु वे अन्य लोगों की भाँति अधिक खेती नहीं करते थे। इसलिये जब वे बलिदान लाते थे, तो याजकों को बलिदानों का कुछ भाग खाने को मिलता था।

### I. क्षतिपूर्ति भेंट [16:19-18:21]

अब , अगले बलिदान का विभिन्न अनुवादों में कई अलग-अलग तरीकों से अनुवाद किया गया है: क्षतिपूर्ति भेंट। मुझे यह सबसे अच्छा लगता है, मैं इसे क्षतिपूर्ति भेंट कहता हूँ, लेकिन लगभग कोई भी अनुवाद इसका इस तरह अनुवाद नहीं करता है। जब आप मुआवज़ा भेंट देखते हैं, तो इस भेंट का उद्देश्य क्या है? मरम्मत। इसे चढ़ाने से पहले, मान लीजिए कि आपने किसी की भेड़ या बकरी चुरा ली है। इससे पहले कि आप इसे पेश करें, आपको उस व्यक्ति को आपके द्वारा चुराई गई राशि का चार गुना वापस भुगतान करना होगा। इसलिए किसी उल्लंघन के लिए इसे पेश करने से पहले आपको क्षतिपूर्ति करनी होगी। इसका अनुवाद "अतिचार भेंट" या "अपराध भेंट" भी किया जाता है। तो ये तीन नाम हैं - आमतौर पर इसका अनुवाद इनमें से किसी एक द्वारा किया जाता है। मुझे "क्षतिपूर्ति" पसंद है क्योंकि यह वास्तव में अधिक बताता है कि इस पेशकश का वास्तविक कार्य क्या है। तो यह क्षतिपूर्ति के लिए है, वापस भुगतान करने के लिए है।

ये दोनों [पुनर्प्राप्ति और शुद्धिकरण] लगभग एक ही तरीके से किए जाते हैं। दूसरे शब्दों में, जानवर का एक हिस्सा जला दिया जाता है, और दूसरा हिस्सा पुजारी को खाने को मिलता है। तो इन दोनों में, जानवर का एक हिस्सा जला दिया जाता है , भगवान के सामने लहराया जाता है, और दूसरा हिस्सा पुजारी को खाने के लिए मिलता है।

अब, मान लीजिए कि आप एक पुजारी हैं और आप किसी को भेड़ या बकरी के साथ आते हुए देखते हैं, तो आप कौन सा बलिदान चाहते हैं? क्या आप संपूर्ण होमबलि चाहते हैं या आप इनमें से एक चाहते हैं? संपूर्ण होमबलि, क्या तुम्हें उसमें से कुछ भी खाने को मिलता है? नहीं, इनमें से किसी एक के साथ, क्या आपको कुछ खाने को मिलता है? हाँ। क्या यह उन पुजारियों के लिए एक समस्या होगी जो लोग आना शुरू कर देते हैं, जब वे बलिदानों को आते देखते हैं तो उनके मुँह में पानी आने लगता है। दरअसल, हम एली और सैमुअल नाम के इस लड़के को देखने जा रहे हैं। आप एली के बच्चों को बलि के मांस को चीरते हुए देखेंगे। अब, वैसे, क्या यह वास्तव में बहुत बुरा है जब आप भगवान के बलिदान को नष्ट कर देते हैं? तो एली के बच्चों के लिए, यह उनके लिए बहुत अच्छा नहीं होने वाला है। लेकिन फिर भी, क्या आपको समस्या दिखती है? इस प्रकार के बलिदानों से, उन्हें संपूर्ण होमबलि के साथ कुछ खाने को मिलता है जो उन्होंने नहीं खाया। इसलिए वे क्षतिपूर्ति या शुद्धिकरण भेंट की आशा करने लगते हैं।

### जे. फैलोशिप की पेशकश: फ्रीविल, प्रतिज्ञा और धन्यवाद [18:22-19:56]

अब, एक और, और यह संगति भेंट है या इसे "शालोम" यानी शांति भेंट कहा जाता है। हिब्रू में शांति को "शालोम" कहा जाता है। इसलिए इसे संगति भेंट या शांति भेंट कहा जाता है। इसे निष्पादित करने के तीन अलग-अलग तरीके हैं। यह केवल **निःशुल्क वसीयत की** पेशकश के लिए किया जा सकता है। दूसरे शब्दों में, आप केवल भगवान के लिए भेंट ला सकते हैं क्योंकि आप भगवान के लिए भेंट लाना चाहते हैं। वैसे, क्या आप में से किसी ने स्वतंत्र इच्छा की पेशकश के बारे में सुना है? यह उसकी पृष्ठभूमि है। यह बस हो गया है, दायित्व या जिम्मेदारी से नहीं, यह सिर्फ आप चुनते हैं और आप लाते हैं और आप प्रभु को स्वेच्छा से भेंट चढ़ाते हैं। इसका प्रयोग मन्नत पूरी करने के लिए भी किया जाता है। हम आज नाज़रीन प्रतिज्ञा को देखने जा रहे हैं। जब आप कोई मन्नत पूरी करते हैं, तो आप यह संगति, या शांति भेंट करते हैं, और इस तरह आप मन्नत पूरी करते हैं। तुम यहोवा के लिये बलिदान करो। कभी-कभी आप इसे *धन्यवाद* के रूप में *टोडा* के रूप में कर सकते हैं, बस "प्रभु को धन्यवाद देना, क्योंकि वह अच्छा है, क्योंकि उसकी दया हमेशा के लिए बनी रहती है" जैसी बात। उसकी *हिचकिचाहट* हमेशा के लिए एक धन्यवाद भेंट के लिए प्रेरित करती है। तो यह शांति तर्पण इन तीन कारणों से किया जाता है।

लेकिन इसमें सबसे अच्छी बात यह है कि इसे कौन खाएगा? इसे "फ़ेलोशिप पेशकश" कहा जाता है। इसका मतलब है कि जो लोग जानवर लाते हैं उन्हें इसमें से कुछ खाने को भी मिलता है। तो लोग खुद ही इसे खा लेते हैं। इसलिये इसे तुम अपने परिवार और याजकों समेत खाओगे। यह एक सामुदायिक भोजन होगा इसीलिए वे इसे " फ़ेलोशिप अर्पण" कहते हैं क्योंकि हर किसी को इसका कुछ हिस्सा खाने को मिलता है।

### **के. अनाज की पेशकश** [19:57-21:57]

तो ये इज़राइल में जानवरों के साथ प्रमुख भेंट हैं और फिर एक और है। मुझे इसे "अनाज की भेंट" कहना पसंद नहीं है क्योंकि जब मैं "अनाज की भेंट" कहता हूँ, तो आपके दिमाग में क्या चलता है? अचानक आपके दिमाग में चीयरियोस या आपके पोस्ट टोस्टीज़ या कुछ भी घूमने लगा है। वास्तव में "अनाज" क्या है? अनाज। इसलिए इसे "अन्नबलि" कहा जाता है। क्या किसी को वह दो प्रकार का अनाज याद है जो इस्राएल के पास था? गेहूँ एक होगा. क्या किसी को दूसरा याद है? जौ। हाँ यह सही है। गेहूँ और जौ दो अनाज हैं जो इज़राइल में उगाए जाते थे। तो आप यह गेहूँ और जौ अर्पित करेंगे। क्या यह रक्त की भेंट थी? नहीं, यह गेहूँ और जौ की भेंट थी। यह तेल और नमक के साथ किया जा सकता है लेकिन खमीर के बिना। ऐसा प्रतीत होता है कि खमीर के साथ कुछ ऐसा है जो रोटी को फूला रहा है जो अस्वीकार्य है। कोई खमीर नहीं, लेकिन इसमें नमक हो सकता है और इसमें तेल हो सकता है। जब मैं तेल कहता हूँ, तो हमारा मतलब क्या है? जतुन तेल। इसलिये तुम अनाज में जैतून का तेल डाल कर मिला सकते हो और वहाँ से ऊपर जा सकते हो। तो ये अलग-अलग पेशकश हैं।

हाँ, वातावरण में धूप होगी और आप उसे अर्पित कर सकते हैं - वास्तव में वहाँ धूप की भेंट है। भगवान ने विशेष धूप बनवायी। उसके अलग-अलग पहलू हैं. याजकों के पास विशेष धूप थी जिसे वे धूप वेदी पर जलाते थे। भगवान ने इसके लिए सूत्र निर्दिष्ट किया था, इसलिए जब आप तम्बू में जाते हैं तो एक विशेष गंध या सुगंध होती है जो याजकों के लिए निर्दिष्ट थी। लेकिन वहाँ एक धूप वेदी भी थी और आप उस क्षेत्र में धूप जला सकते थे लेकिन यह बाकी चीजों की तरह नहीं है जो अधिक बलि प्रकार की चीजें हैं।

### **एल. इज़राइल के पर्व: 2 सीज़न** [21:58-26:08]

आइए बलिदानों से आगे बढ़ें। हमने सारा त्याग किया है, और यही कठिन हिस्सा है। अब आइए दावतों पर नजर डालें। क्या यहूदी लोग जश्न मनाते हैं? हाँ वे करते हैं। क्या आपको पता है कि जेल में बंद जिस व्यक्ति का अरबों ने अपहरण कर लिया था वह एक यहूदी सैनिक था जो पांच साल से जेल में है। वह आज मुक्त हो गये। इसलिए यहूदी लोग आज उनकी रिहाई का जश्न मनाएंगे। इज़राइल में आज भी यह एक बड़ी बात है।

तो ऋतुओं का एक दर्शन है। मुझे केवल ऋतुओं का वर्णन करने दीजिए। न्यू इंग्लैंड में, क्या हमें साल में चार सीज़न मिलते हैं? कुछ लोग सोचते हैं कि वास्तव में हमें केवल गर्मी और सर्दी ही मिलती है। लेकिन वास्तव में आप अभी जो देख रहे हैं वह गिरावट है। क्या आप में से कुछ लोग पतझड़ में न्यू हैम्पशायर गए थे और वहाँ पत्ते बदलने वाले पेड़ों से ढके पहाड़ों और उनकी सुंदरता को देखा था? यदि आपको कभी पतझड़ में मौका मिले, तो मुझे बताया गया है कि इस वर्ष हवा पेड़ों से पत्तियाँ उड़ा रही है। न्यू हैम्पशायर में पेड़ों को पतझड़ के रंगों में देखना बेहद खूबसूरत है। तो हमारे पास पतझड़ है, हमारे पास गर्मी है, और हमारे पास सर्दी है। क्या न्यू इंग्लैंड में सर्दियाँ बड़ी होती हैं? तब हमें वसंत मिलता है। और वसंत जीवन के आगमन का समय है। इस प्रकार हमें वर्ष में चार ऋतुएँ मिलती हैं।

अब मैं चाहता हूँ कि आप क्या सोचें - क्या यहाँ कैलिफ़ोर्निया से कोई है? हाँ। इज़राइल में मौसम कैलिफ़ोर्निया जैसा है, कम से कम मुझे बताया गया है कि इज़राइल में उन्हें साल में दो मौसम मिलते हैं। गर्मियों में, आपको लगभग चार या पांच महीने पूर्णतः शुष्क मौसम का सामना करना पड़ता है। हर दिन बिल्कुल एक ही जैसा है। इसलिए जब आप मौसम का पूर्वानुमान लेने जाते हैं, तो यहां इज़राइल में गर्मियों में मौसम का पूर्वानुमान होता है: "वही," "वही," "वही।" यह ऐसे ही चलता रहता है क्योंकि हर दिन जब आप बाहर जाते हैं, तो धूप होती है। सुबह ठंडी शुरुआत होती है। दिन में तो गर्मी होती है, फिर शाम को क्या होता है? यह फिर से ठंडा हो जाता है। रात में लगभग ठंड हो जाती है। और फिर अगला दिन शुरू होता है - सुबह ठंडा और दिन गर्म। कोई बादल नहीं, हर दिन धूप है। चार महीने बिल्कुल सूखे। गर्मी का मौसम है। यह उनके सीज़न में से एक है।

फिर क्या होता है, सर्दियों में उन्हें बारिश का मौसम मिलता है। तो उनके पास पहले की

बारिश और बाद की बारिश कहलाती है। पहले की बारिश सितंबर, अक्टूबर, नवंबर में होगी - शुरुआती बारिश। फिर उन्हें वसंत ऋतु में बाद की बारिश मिलती है। और इसलिए उनके पास जल्दी और बाद में बारिश होती है।

उन्हें एक वर्षा ऋतु और एक शुष्क मौसम मिलता है। क्या इससे उन चीजों पर असर पड़ता है कि उनके पास इस तरह के केवल दो प्रमुख मौसम हैं? तो वसंत ऋतु में, वे मूल रूप से वसंत की फसल में अपना गेहूं और जौ प्राप्त करने जा रहे हैं। क्या गेहूं और जौ चार महीने तक बिना बारिश के गर्मियों में गुज़ारा कर सकते हैं? नहीं, वे ऐसा नहीं कर सकते. तो गेहूं और जौ, वे बरसात के मौसम में आते हैं और आपकी घास बढ़ती है।

फिर, मूलतः, आपको यह मिलता है। यदि आप कभी इज़राइल जाएं तो वसंत ऋतु में जाने का प्रयास करें, यदि आपके पास कोई विकल्प हो। आप वसंत ऋतु में जाते हैं क्योंकि आप वर्षा ऋतु से बाहर आ रहे हैं, रेगिस्तान का क्या होगा? आपके पास एक रेगिस्तान है जो पूरा भूरा है और रेगिस्तान जैसा दिखता है, और फिर अचानक, बारिश रेगिस्तान में गिर जाएगी और क्या होगा? सभी घासों उग आंगी और ये छोटे क्रोकस फूल रेगिस्तान को फूलों से ढक देंगे, और यह बिल्कुल भव्य होगा। आप इन फूलों से ढके और हरे-भरे पहाड़ों को देखते हैं। समस्या क्या है? वह कितने समय तक चलता है? यह कुछ हफ़्ते तक चलता है और फिर क्या होता है? शुष्क, गर्म, ग्रीष्म हवा आती है, और कुछ ही दिनों में यह उन घासों पर क्या प्रभाव डालती है? यह बस उन्हें भूरे रंग में बदल देता है, और फिर अचानक पूरी चीज वापस भूरे रंग में बदल जाती है। फिर आप शेष गर्मियों के लिए भूरे रंग के रहेंगे। लेकिन वसंत ऋतु में लगभग दो सप्ताह तक, यह बिल्कुल भव्य रहता है। इसलिए अप्रैल में अक्सर वहां रहना खूबसूरत होता है। ऐसा कहा जा सकता है कि रेगिस्तान गुलाब की तरह खिलता है। फिर अचानक सब कुछ मुरझा जाता है और नष्ट हो जाता है और गर्मियां आ जाती हैं।

### **एम. फसह** [26:09-27:19]

अतः गेहूं और जौ वसंत ऋतु में उगाये जाते हैं। हम इस्राएल के पाँच बड़े पर्वों के बारे में जानेंगे, और ये पर्व फसल के पर्व हैं। आप कब मनाते हैं? फसल काटने के बाद आप जश्न मनाते हैं। तो, वसंत ऋतु में गेहूं और जौ की फसल होगी। फसह की तारीख क्या है? ये तो आप लोग जानते ही हैं. ईसाई धर्म में, हम फसह के समय क्या मनाते हैं? ईस्टर, ठीक है? वह हमारा ईस्टर है. जब ईसा

मसीह मरे और फिर जी उठे, तभी वे फसह मनाते हैं। तो हम बात कर रहे हैं वसंत ऋतु की। फसह मनाया जाता है - वे क्या करते हैं? उनके पास एक मेमना है, एक फसह का मेमना है, उनके पास कड़वी जड़ी-बूटियाँ हैं, और दूसरी चीज़ क्या है? अखमीरी रोटी या पटाखे. तो वे, मूल रूप से, फसह में वे तीन चीज़ें, फसह रात्रिभोज के लिए, पेसाच रात्रिभोज, और फिर वे सात दिनों तक अखमीरी रोटी खाते हैं। सात दिन तक केवल अखमीरी रोटी खाना। अखमीरी रोटी यह याद करते हुए कि उन्हें मिस्र से जल्दी निकलना था और उनके पास उसके उठने का समय नहीं था। वह लैव्यवस्था 23 है, यह फसह और अखमीरी रोटी के बारे में बताता है। अब, यह शुरुआती वसंत में है। वे शुरुआती वसंत में गेहूँ की कटाई शुरू करते हैं।

### **एन. सप्ताहों का पर्व [पेंटेकोस्ट] [27:20-29:26]**

अब, सात सात क्या है? क्या यहां कोई गणित करता है? सात वर्ग... उनचास। प्लस एक है... पचास. सात सात सप्ताह सप्ताहों का पर्व है। क्या आपने देखा कि वे इसे सप्ताहों का पर्व क्यों कहते हैं? सात सात बज रहे हैं . सात सात सात सप्ताह हैं , ठीक है? सप्ताहों का सप्ताह. सात गुणा सात - सप्ताहों का पर्व। इसमें सात सात और एक दिन जोड़ने पर यह पचास हो जाता है: पेंटेकोस्ट। जब मैं " पेंटा " कहता हूँ, तो " पेंटा " क्या है? पेंटा पांच प्रकार के पेंटागन हैं। तो पिन्तेकुस्त फसह के पर्व के कितने दिन बाद है? पचास दिन बाद. तो आपके पास फसह है और फिर आप सात सात और एक जमा करते हैं। सप्ताहों के सप्ताह सात सात हैं, और आप प्लस वन पर समाप्त होते हैं, आपको पचास मिलते हैं, और वह पेंटेकोस्ट बन जाता है। पेंटे - पांच - लागत।

वैसे नये नियम में फसह के दिन क्या होता है? यीशु मर जाता है. ठीक है, आपको प्रभु का भोज मिल गया है और फिर यीशु वहाँ से गुज़रते हैं और उन्हें क्रूस पर चढ़ाया जाता है और तीन दिन बाद मृतकों में से जीवित हो उठते हैं। नए नियम में पिन्तेकुस्त के पर्व पर क्या होता है? अधिनियम अध्याय 2. "आत्मा उतरती है।" वैसे, क्या हमारे पास ऐसे चर्च भी हैं जिनका नाम इसके नाम पर रखा गया है? आपके पास वह है जिसे पेंटेकोस्टल आंदोलन कहा जाता था। क्या कोई पेंटेकोस्टल चर्चों में जाता है? पेंटेकोस्टल चर्च हैं - यहीं बात आती है। वैसे, उनके लिए विशेष मार्ग क्या है? प्रेरितों के काम अध्याय 2 आत्मा के नीचे आने, अन्य भाषा बोलने और उस तरह की चीज़ों के बारे में है। तो पेंटेकोस्टल चर्च प्रेरितों के काम अध्याय 2 में इसी पर आधारित हैं।

अब, यह फसल और सप्ताहों का पर्व है। ये क्या होगा? जल्दी - हम क्या कहते हैं - अप्रैल? यह पचास दिन बाद होगा - हम जून में हैं। फिर, आमतौर पर जून में गेहूं और जौ की फसल समाप्त हो जाती है।

### **ओ. बीनना** [29:27-31:23]

बीनना क्या है? जब तुम गेहूँ और जौ काटने को बाहर जाओगे, तो वहाँ कुछ भण्डार होंगे। जैसे घास काठों के साथ होती है, जिस पर सिर लगे होते हैं। सिर में गेहूँ और सिर में जौ होगा। आप एक हंसिया लेते हैं, आप जानते हैं कि हंसिया क्या है - आप जानते हैं कि कम्युनिस्ट चिन्ह हंसिया है। मूलतः, आप इन डंठलों में से एक मुट्ठी भर लेते हैं और उसे काट देते हैं। एक मुट्ठी लें, इसे काट लें। इसे काटो, इसे काटो. और इसलिए आप इसे हाथ से करें। क्या जॉन डीरे ट्रैक्टर के साथ ऐसा करना ज्यादा बेहतर है? वैसे भी, लेकिन उनके पास जॉन डीरे ट्रैक्टर नहीं था, इसलिए वे इसे हाथ से काटने जा रहे थे। अब, जब वे इसे हाथ से काटते हैं, तो क्या उस अनाज में से कुछ जमीन पर गिर जाएगा? इसमें से बहुत कुछ नहीं होगा, लेकिन इसमें से कुछ होगा। क्या उन्हें ज़मीन से अनाज उठाने की इजाज़त थी? नहीं, उन्हें छोड़ना पड़ा - यदि उन्होंने अनाज काटा, उन्होंने डंठल काटे, और उसमें से कुछ जमीन पर गिर गया, तो उन्हें इसे वहीं छोड़ना पड़ा क्योंकि गरीब कटाई करने वालों का पीछा करते थे - बीनते हुए। क्या गरीबों को काम करना पड़ा और बचा हुआ अतिरिक्त सामान उठाना पड़ा?

वे भी थे, जब उन्होंने अपने जॉन डीयर ट्रैक्टर निकाले और वे अपने खेतों में काम कर रहे थे, तो उन्हें अपने खेतों के कोनों के किनारों को गोल करना था। दूसरे शब्दों में, उन्हें कोनों में पूरी फसल काटने की अनुमति नहीं थी। खेतों के कोनों को गोल किया जाना था। खेत के गोल भागों की कटाई कौन करेगा? गरीब। तो, क्या आप देखते हैं, यह गरीबों की देखभाल करने में मदद करने का इज़राइल का तरीका था। वैसे, क्या गरीबों को इस सामान के लिए बाहर निकलकर काम करना पड़ा? ऐसा नहीं था कि यह उन्हें यूँ ही मिल गया। उन्हें रीपर्स के साथ वहाँ से निकलना था और रीपर्स का पीछा करते हुए काम करना था। उन्हें खेतों के कोनों में जाना पड़ता था और उन्हें खेतों के उन कोनों की कटाई करनी होती थी। इसलिए इसे "बीनना" कहा जाता है। जब हम रूथ की पुस्तक में जाते हैं, तो हम देखेंगे कि रूथ एक बीनने वाली मशीन है। वह एक मजदूर है और वह

बाहर जाती है और कटाई के बाद खेत बीनती है। तो यह वसंत ऋतु में है। वसंत ऋतु में क्या फसल होती है? गेहूं और जौ। वे आपकी घास जैसी चीजें बड़ी हो रही हैं।

### पी. फ़ॉल हार्वेस्ट [31:24-34:57]

अब, चार महीने बिना बारिश के बीत जाते हैं। जब पौधों को पानी नहीं मिलता तो वे क्या करते हैं? मैंने अपनी पत्नी को यह बताने की कोशिश की। कुछ लोगों का अंगूठा हरा होता है - उसका अंगूठा भूरा होता है। हमारे घर में जो भी पौधा है वह नष्ट हो गया है। आपको कभी-कभी उनमें पानी डालना होगा। चार महीने तक बारिश नहीं हुई। अब आप पूछते हैं, " पौधे कैसे जीवित रहते हैं?" हर सुबह क्या होता है, उन पर ओस पड़ती है। क्यों? आप लोग भूमध्य सागर हैं। भूमध्य सागर इस गर्म नम हवा से निकलता है। ज़मीन पर पूरी रात पड़ी और तापमान का क्या हुआ? रात का तापमान गिर जाता है। भूमि ठंडी है, गर्म नम हवा समुद्र, भूमध्य सागर से आती है। जब गर्म, नम हवा ठंडी भूमि से टकराती है, तो वह क्या करती है? यह भूमि पर संघनित होकर ओस उत्पन्न करता है। मैं सड़कों पर निकला हूँ और ओस इतनी घनी है कि मैंने ओस को तूफानी नालों में जाते देखा है। दूसरे शब्दों में, यह एकत्र करता है; यह बहुत गाढ़ा है और नीचे चला जाता है। तो फिर, ओस ही वह तरीका है जिससे पौधे गर्मियों में जीवित रहते हैं। यह थोड़ी सी नमी है जो उन्हें मिलती है।

अब, उन्होंने पतझड़ के लिए किस प्रकार के पौधे उगाए? चार महीने सूरज के अलावा कुछ नहीं। वैसे, क्या अंगूर को सूरज पसंद है? ईमानदारी से कहूँ तो, आज इज़राइल कौन सा पौधा उगाता है जो दुनिया में सबसे अच्छा है? किस प्रकार का फल सूरज को पसंद करता है - बहुत अधिक सूरज पसंद करता है, लगातार चार, पांच महीने तक ठोस सूरज पसंद करता है? संतरे। वहाँ आपको अंगूर के आकार के संतरे मिलते हैं। वे अब तक के सर्वश्रेष्ठ हैं। मैं कसम खाता हूँ, बस कुछ जाफ़ा संतरे खा लेना ही यात्रा के लायक है। उनके संतरे अद्भुत हैं क्योंकि उन्हें पाँच महीनों तक ठोस धूप मिली है। तो, यहाँ वे अंगूर बनाते हैं। अंगूर उगते हैं और वे अंगूर के साथ बहुत सारी बागवानी करते हैं और अंगूर की लताओं की देखभाल करते हैं। वैसे, क्या पवित्रशास्त्र में अंगूरों का बहुत अधिक उल्लेख किया गया है? क्या हमने अंगूरों को क्या पैदा करते देखा है? शराब, अंगूर का रस और उस तरह की उपज। हम पवित्रशास्त्र में बहुत सारे अंगूर देखेंगे।

इन ताड़ के पेड़ों पर अंजीर होंगे। उनके पास अंजीर का यह बड़ा गुच्छा होगा, जिसका

वज़न लगभग चालीस, पचास पाउंड होगा - और वहाँ से ये सभी छोटे अंजीर निकलेंगे। अंजीर वास्तव में मीठे होते हैं, और वे अंजीर के साथ जो करेंगे वह यह है कि वे उन्हें मैश कर देंगे और इसे अंजीर जैम में बदल देंगे। वे मूलतः इसे ब्रेड पर फैलाएंगे। तो अंजीर कुछ ऐसा है जो वास्तव में मीठा है और वे इसे इन ताड़ के पेड़ों से दूर कर देंगे। उनके पास बड़ी संख्या में अंजीर होंगे, वे इसे तोड़ देंगे। वे अंजीर की मिठास बच्चों के मसूड़ों में और मिठाई के लिए बच्चे के मुँह में डालेंगे। तो अंजीर वहाँ होंगे।

अरे जैतून के साथ बहुत कुछ करो। क्या वहाँ के लोग खूब जैतून खाते हैं? मैं जैतून बर्दाश्त नहीं कर सकता, इसलिए मैंने इसे बहुत अच्छे से नहीं बनाया। जैतून का तेल - मुझे जैतून के तेल में पका हुआ खाना पसंद है। वे बहुत कुछ करेंगे। वे जैतून को कुचलेंगे, उससे तेल बनाएंगे और जैतून का तेल उनके प्रमुख उत्पादों में से एक होगा। जब भी आप पवित्रशास्त्र में तेल देखते हैं, तो हम जैतून के तेल की बात कर रहे होते हैं। यह उनके लिए बहुत बड़ी बात है। वे इसे दुनिया भर में भेजेंगे। अंजीर, जैतून, और अंगूर जो वे काटते हैं वे सभी गिर जाते हैं। यह तब होता है जब वे पतझड़ में फसल काटते हैं - आमतौर पर सितंबर, अक्टूबर-ईश, उस तरह की बात।

### प्र. तुरही का पर्व [34:58-36:28]

पतझड़ में, वे तुरही का पर्व मनाएंगे। इसे " *रोश हसनाह* " कहा जाता है। *रोश* का अर्थ है "वर्ष का मुखिया", इसलिए वर्ष की शुरुआत सितंबर में शुरू होती है। उनके पास अपने वर्षों का पता लगाने के कुछ अलग-अलग तरीके हैं।

अब जब मैं तुरही कहता हूँ, तो समस्या क्या है? आप तुरही के बारे में सोचते हैं, आप किस बारे में सोचते हैं? एक पीतल की तुरही जो सुर बजा रही है, ता दा ता दा, उस तरह की बात। जब वे तुरही बजाते हैं, तो यह एक शोफर होता है जो एक मेढ़े का सींग होता है। यह इस तरह निकलता है, और यह एक प्रकार की गोलाकार चीज़ होगी। वे लगभग इतने बड़े हैं। एक छोटे से बच्चे के लिए उनकी कीमत लगभग 125 रुपये है। आपको डबल जुल्फों के साथ बड़े वाले मिलते हैं; वे लगभग \$250 के होंगे, जब मैं तुरही बजा रहा था तो मैंने अपने बाख तुरही के लिए कम भुगतान किया। वैसे, इन राम के सींगों पर, क्या आप राम के सींग के साथ कोई धुन बजा सकते हैं? हर चीज़ में यही "ब्राआह" ध्वनि होगी। यह उस तुरही की तरह नहीं है जिसे आप लोग बजाते हैं, आपके तुरही पर

किसी प्रकार का स्तुतिगान या कुछ और। यह बस होगा - वे इस शोफर से बड़ी "ब्राआह" ध्वनि निकालेंगे। यह बस इस राम के सींग को बजाने जैसी चीज़ होगी। यदि आप कभी इज़राइल जाएं और कुछ अच्छा खरीदना चाहें तो शॉफ़र वास्तव में अच्छा है। काश मेरे पास इसे पाने के लिए पैसे होते, लेकिन वे बहुत महंगे हैं। ये मेढ़े के सींग आज भी उनके पास हैं। वर्ष के पतझड़ में, वर्ष की शुरुआत में, "ब्राह" - तुरही बजेगी और वे इसे तुरही का पर्व कहते हैं। यह नए साल की शुरुआत है।

### आर. प्रायश्चित का दिन [36:29-39:29]

प्रायश्चित का दिन इस पहले महीने में 10 दिन बाद होगा। इसे *योम किप्पुर कहा जाता है*। अब "योम", आप जानते हैं क्योंकि हमने इसका अध्ययन उत्पत्ति 1 में किया था। "योम" क्या है? उत्पत्ति 1--"दिन।" ठीक है, तो यह दिन है. योम किप्पुर प्रायश्चित का दिन है। यह सभी यहूदी पर्वों में सबसे पवित्र है। यह परम पवित्र है, परम पावन है। यह वह जगह है जहां जीवन पर शांत चिंतन होता है। एक बहुत, बहुत उच्च पवित्र दिन। सभी दावतों में से यह बहुत ही दुखद है जब आप अपने पापों पर विचार कर रहे हैं। अब योम किप्पुर पर वास्तव में क्या होता है?

यह लेवितिकस 16 है। मूल रूप से, उनके पास दो बकरियां हैं। वे दो बकरियों को लाते हैं, और क्या तुम्हें याद है कि उन्होंने बकरे के लिए चिट्ठी डाली थी? तो एक बकरी आज़ाद कर दी गई, और दूसरी बकरी क्या? बलिदान दिया गया. वे खून लेते हैं, इसलिए फिर एक बकरी का खून लिया जाता है। साल में एक बार, खून दया सीट में जाता है। याद रखें हमारे पास वाचा का सन्दूक था? वाचा का सन्दूक इस प्रकार का एक बक्सा था। सन्दूक के शीर्ष पर यह दया आसन था जिसमें दो करूब थे जिनके पंख शीर्ष पर छू रहे थे। करूबों के बीच में प्रायश्चित का आसन कहा जाता था, और वर्ष में एक बार, वे चुने हुए बकरे का खून लेते थे, और वे उस खून को प्रायश्चित के ढकने पर डालते थे।

अब, वैसे, जोसेफस और कुछ बाद के लोगों ने हमें बताया कि पुजारी डरे हुए थे क्योंकि जब आप वहां होंगे, यदि रक्त स्वीकार नहीं किया गया, तो भगवान आपको मौके पर ही मार सकते हैं। तो उन्होंने क्या किया, उन्होंने पुजारी के चारों ओर एक रस्सी बांध दी ताकि जब पुजारी परम पवित्र स्थान में गया और भगवान ने उसे मार डाला तो अन्य सभी पुजारियों को अंदर जाकर उसे बाहर खींचने की कोशिश नहीं करनी पड़ी और वे भी मारे गए। इसलिए उन्होंने उसके चारों ओर एक

रस्सी बांध दी और उस पर एक घंटी लगा दी, और फिर अगर वह आदमी नीचे चला जाता है, तो वे उसे रस्सी से बाहर खींच लेते हैं। वैसे भी, वह बाद की परंपरा है। परन्तु यह उच्च और पवित्र दिन है जब वे लहू लेते हैं और उसे दया के तख्त पर रखते हैं।

दूसरी बकरी के साथ क्या होता है? दूसरी बकरी को मुक्त कर दिया गया है। क्या आप वहां की कल्पना देखते हैं? एक बकरी मरती है और खून बहाया जाता है; दूसरी बकरी आज़ाद हो जाती है, और वह बकरी बलि का बकरा है। तो बलि का बकरा तो आज़ाद हो जाता है, लेकिन एक इसके लिए मर जाता है। क्या आप वहां प्रतिस्थापन का विचार देख सकते हैं? यह वास्तव में यीशु मसीह के साथ खिलवाड़ होगा कि एक व्यक्ति मर जाता है और दूसरा व्यक्ति मुक्त हो जाता है। अतः यह एक उच्च एवं पवित्र दिन है।

वैसे, यदि आप यहूदियों पर हमला करने जा रहे हैं, तो वह कौन सा दिन है जब आप उन पर हमला करना चाहते हैं? क्या कभी किसी ने योम किप्पुर युद्ध के बारे में सुना है? तभी उन पर हमला हुआ। अब, वैसे, यह सबसे ऊँचा और पवित्र दिन है। क्या इस दिन कुछ यहूदी नहीं लड़ेंगे? समस्या यह है कि अधिकांश यहूदी धर्मनिरपेक्ष हैं, कम से कम इज़राइल में बहुत सारे यहूदी धर्मनिरपेक्ष हैं। क्या वे लड़ेंगे? वे लड़ेंगे, और इसलिए हुआ यह कि जब उन पर हमला हुआ, तो उन्होंने जवाबी हमला किया और उन्हें उड़ा दिया। उनके योम किप्पुर पर हमला किया गया और यह आपको कुछ दिखाता है।

### **एस. झोपड़ियों का पर्व या झोपड़ियों का पर्व [सुक्कोट] [39:30-44:26]**

अब, झोपड़ियों का पर्व। वह क्या है? झोपड़ियों का पर्व तब होता है जब उन्हें बाहर जाना होता है और तम्बुओं में रहना होता है जैसा कि वे चालीस वर्षों तक जंगल में भटकते रहे थे। इसलिए झोपड़ियों का पर्व जंगल में भटकने की याद दिलाता है जब वे भगवान के साथ जंगल में थे और कठिनाइयाँ - रेगिस्तान की कठिनाइयाँ जब वे भगवान के साथ डेरा डाले हुए थे, एक स्थान से दूसरे स्थान पर जा रहे थे। इसे *सुक्कोट कहा जाता है*। इस झोपड़ी का नाम *सुक्खा* है। उन्हें ये तंबू बनाने हैं और इन्हीं तंबूओं में रहना है।

जब मैं इज़राइल में था, डॉ. पेरी फिलिप्स, ऐलेन फिलिप्स के पति, और मैं नीचे गए क्योंकि हम

मेआह जाना चाहते थे शीरीम । मैं आह शीरीम वह स्थान है जहां यरूशलेम में वास्तविक

धार्मिक यहूदी रहते हैं। क्या आपने कभी वास्तविक धार्मिक यहूदियों को काली टोपी और काले घुंघराले क्यू के साथ देखा है। वे हमेशा " शेमा इज़राइल" के आसपास घूम रहे हैं और वे उसी तरह उछल रहे हैं। इसलिए हम यह देखने के लिए नीचे जाना चाहते थे कि रूढ़िवादी यहूदी इन सुक्काओं के साथ कैसे जश्न मनाते थे और देखना चाहते थे कि उन्होंने इन तंबुओं का निर्माण कैसे किया। तो हम मी'आह के पास गए शीरीम और हमने देखा कि ये सभी महिलाएँ इस एक स्थान की बाहरी सलाखों पर लटकी हुई थीं और हमने यह संगीत सुना। तो हम ऊपर चले गए - और, वैसे, क्या यहूदी पूजा करने वाले पुरुषों और महिलाओं को अलग-अलग करते हैं? हाँ। इसलिए महिलाओं को अंदर जाने की अनुमति नहीं थी, और वहाँ एक कमरा था, इस कमरे से भी बड़ा, और वहाँ यह आदमी शहनाई पर विलाप कर रहा था। तो वह इस संगीत को गा रहा है, और मुझे नहीं पता, इस कमरे में लगभग 200 लोग हैं, जो अपने कंधों पर हाथ रखकर इधर-उधर उछल-कूद कर रहे हैं। तो पेरी और मैं सोचते हैं, "अरे, आप जानते हैं, हम पुरुष हैं, यह ठीक है। हम यहूदी नहीं हैं, लेकिन वैसे, जब आप यहूदी नहीं हैं - तो क्या आपको अपने सिर पर किप्पा पहनना होगा? तो, जाहिर है, आप मुझे देखिए, मैं यहूदी नहीं हूँ। तो हमें एक किप्पा मिला, हमने अपने सिर पर एक किप्पा रखा, और हम इस कमरे में चले गए। खैर, वे आपको यह नहीं बताते कि यह एक फुटबॉल खेल जैसा है जिसमें कोई नियम नहीं है। ये लोग ऊपर आना शुरू कर देते हैं, और वे आपकी पसलियों पर प्रहार करना शुरू कर देते हैं। आप यह सोचकर वहां जा रहे हैं कि यह एक सामुदायिक चीज़ है, आप उनके साथ हैं। अचानक, बम! तुम्हें मार पड़ती है। फिर BAM आप पर दूसरी तरफ से प्रहार होता है। मैं काफी बड़ा लड़का हूँ, इसलिए आप मुझे इस तरह कोसना शुरू न करें। तो वैसे भी, हमें पीटा जा रहा है, लेकिन आपको संगीत के लिए पीटा जाना होगा। तो हर बार जब कोई पिटाई होती है, तो आप पर मार पड़ती है। तो हमने कहा, "ठीक है, मैं किसी पर पलटवार नहीं करूंगा," लेकिन मैंने खुद को बचाना शुरू कर दिया क्योंकि यह हानिकारक हो रहा था। मैं वास्तव में अपने सिर पर लगी टोपी को लेकर चिंतित था क्योंकि अगर वह टोपी उतर गई तो क्या कोई समस्या होगी? हाँ। तुम्हें कुचलकर मार डाला जा सकता है, और मैं इस बारे में पूरी तरह से गंभीर हूँ। जब हम पर काफ़ी मार पड़ी, तो मैंने कहा, "अब यहाँ से निकलने का समय आ गया है। हमारे पास यह काफी है।" लेकिन यह सब सिर्फ संगीत पर नृत्य था, लेकिन यह वास्तव में शारीरिक था। यह एक प्रकार से

पुरुष नृत्य जैसा था। यह एक बैश किस्म की चीज़ थी। यह वास्तव में बहुत अच्छा था, लेकिन मुझे पलटवार करना उचित नहीं लगा, क्या आप जानते हैं कि मैं क्या कह रहा हूँ? वैसे भी, हालाँकि मुझे प्रशिक्षित किया गया है - मैंने फुटबॉल खेला है, इसलिए मैं उन पर फ़्लिपर वाली चीज़ कर सकता था, लेकिन मैंने बस - मैंने सोचा, "हाँ, मुझे बस इतना करना है कि वह करना है और फिर मैं करने जा रहा हूँ मुझ पर दस लोग। यह अब बहुत अच्छा नहीं है। [ छात्र का प्रश्न ] ठीक है, यदि आपका यरमुलके गिर जाता है - तो आपको सम्मान दिखाने के लिए यरमुलके पहनना चाहिए। यदि यह खुल जाता है, तो यह ऐसा है जैसे आप सम्मान नहीं दिखा रहे हैं। हाँ, इन लड़कों को दुर्घटनाओं की परवाह नहीं है। उन्हें इसकी परवाह है कि यरमुलके आपके सिर पर है। हमारे पास क्या होना चाहिए था, हमारे सिर पर इसे बांधने के लिए एक हेयरपिन होना चाहिए था। वे इसे इसी तरह से लगाए रखते हैं, लेकिन मेरे पास हेयरपिन नहीं था और इसलिए - मैं मार खाने के दौरान बस इसे अपने सिर पर संतुलित करने की कोशिश कर रहा था। यह अच्छा नहीं था।

लेकिन फिर भी, हम वहां से निकलते हैं, और हम सीढ़ियों से नीचे आते हैं और हम बाहर जाते हैं। मैं ये सुक्खा देखना चाहता हूँ। वे इन तम्बूओं का निर्माण करने जा रहे हैं, इसलिए हम यह देखने जा रहे हैं कि वे अपने तम्बू कैसे बनाते हैं। इस प्रकार वे अपने तम्बू बनाते हैं: वे प्लाइवुड की 4x8 शीट का उपयोग करते हैं, और वे प्लाइवुड की दो शीट ऊंची बनाते हैं, और वे एक तरफ दो, दूसरी तरफ दो, दूसरी तरफ दो बनाते हैं, और मूल रूप से वे खुद के लिए एक छोटी सी झोपड़ी बनाते हैं, और उन्होंने शीर्ष पर ताड़ की शाखाएँ लगाईं। और इसलिए यह सिर्फ प्लाइवुड की ये 4x8 शीट हैं।

मैंने सोचा कि वे वास्तव में तंबू या ऐसा कुछ बनाने जा रहे थे और यह सिर्फ प्लाईवुड है। मैं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में था, इसलिए मैंने बिजली के तार को देखा, और इसलिए मैंने वहां के घर को देखा और मैंने कहा, "यार, यह वहां से निकल रहा है। यह उस सुक्खा में जा रहा है।" मैंने सोचा, "यह बिजली का तार इस सुक्खा में किस लिए जा रहा है? माना जाता है कि वे जंगल में इसे खत्म कर रहे होंगे। इसलिए मैं इस आदमी के सुक्खा के पास गया, और मैंने वहां देखने के लिए अपना सिर अंदर डाला - मैं बस यह देखना चाहता था कि इस सुक्खा में बिजली का तार क्यों जा रहा है। तो मैंने अपना सिर वहाँ धकेला और यहाँ यह आदमी है, जो ला-ज़ेड-बॉय कुर्सी पर बैठा है और अपने

सुक्खा में टेलीविजन देख रहा है! मैं सोच रहा हूँ, "हाँ, मूसा, तुम जंगल में घूम रहे हो, और यह आदमी ला-जेड-बॉय कुर्सी पर बैठकर टेलीविजन देख रहा है।" इसने एक तरह से मुझसे सब कुछ छीन लिया। मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि वहाँ हर कोई टेलीविजन देख रहा था, ठीक है? मुझे क्षमा करें। जिस एक व्यक्ति की ओर मैंने देखा वह टेलीविजन देख रहा था। मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि वे सभी इस तरह से वायर्ड थे, वे सभी वायर्ड नहीं थे, मुझे ऐसा कहना चाहिए। वहाँ एक था जो तार से बंधा हुआ था और इसीलिए मैंने वहाँ देखा। लेकिन वैसे भी, सुक्खा तो हैं ही। तो यह झोपड़ियों का पर्व है, जो जंगल में भटकने को याद करता है। ये सभी सितंबर- ईश प्रकार की चीजें हैं।

### टी. नए नियम के निहितार्थ [44:27-46:31]

अब, मुझे तुरहियों के पर्व के बारे में एक बात कहनी चाहिए - क्या इनमें से कई पर्वों में नए नियम के प्रभाव हैं? फसह का पर्व, झोपड़ियों का पर्व। किसी ने एक बार कहा था कि यीशु तुरहियों के पर्व पर वापस आने वाले हैं। यह दावत कभी भी "पूरी" नहीं हुई। हम नहीं जानते कि इसका वास्तव में क्या मतलब है। वे बस तुरही बजाते हैं। याद रखें जब तुरही बजेगी, तो मसीह अवतरित होंगे? और इसलिए कुछ लोग तुरहियों के इस पर्व को यह कहते हुए जोड़ते हैं कि यीशु वापस आएंगे - यह क्या था? - 2010 जब तुरही बजती है। ओह, 2010। यह 2011 है। आह, मैं चूक गया। वैसे भी, इसमें समस्या क्या है? क्या यह संभव है कि नरसिंगों के इस पर्व में कुछ है? प्रश्न- यीशु ने क्या कहा? क्या यीशु स्पष्ट रूप से कहते हैं, "कोई नहीं जानता"—क्या?—“दिन या घड़ी।” तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि मैं यह नहीं कह सकता कि यह तुरही का पर्व है।

जब कोई कहने लगता है, "यही वह समय है जब यीशु वापस आने वाले हैं।" हमारे पास वह आदमी था जो इस वसंत 2012 में कैम्पिंग कर रहा था ? क्या कोई उसका पालन करता है? वसंत ऋतु से, यह पागल आदमी था जो ग्रेजुएशन से ठीक पहले कह रहा था, "मसीह वापस आ रहा है"! अपना फाइनल मत लो! आपको अपना फाइनल क्यों लेना चाहिए? यीशु वापस आ रहा है, है ना? तो वैसे भी, इस आदमी ने ऐसा कहा और फिर हमेशा की तरह काम नहीं हुआ। यह तभी से चल रहा है , मैं साठ के दशक से हूँ। मुझे यह चीज़ याद है. वह अठारह नहीं, उन्नीस साठ का दशक है। आप जानते हैं कि मैं क्या कह रहा हूँ - इसलिए सावधान रहें। जब कोई यह कहना शुरू कर देता है कि यीशु वापस आने वाला है और वे तुरहियों के पर्व का उपयोग करते हैं, तो क्या आपको इससे

एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगाना चाहिए? दूर हो जाओ, यह मूर्खतापूर्ण है। तो, लेकिन इसमें कुछ हो सकता है, मैं नहीं जानता, लेकिन कोई नहीं जानता। यीशु कहते हैं, “उस दिन या उस घड़ी को कोई नहीं जानता।” तो बस इसे ध्यान में रखें।

लेकिन ये पतझड़ की कुछ दावतें हैं, ठीक है? तो वसंत उत्सव - गेहूं और जौ की फसल। पतझड़ की दावत - अंगूर, अंजीर, जैतून - पतझड़ में ये तीन दावतें हैं। क्या हम अभी-अभी योम किप्पुर से होकर गए थे? क्या योम किप्पुर था - यह क्या था? सिर्फ तीन, चार हफ्ते पहले? क्या किसी को योम किप्पुर याद है? ऐसा लगभग तीन या चार सप्ताह पहले हुआ था, जब हम उस दौर से गुज़रे थे।

### यू. सब्बाथ और विश्राम वर्ष [46:32-49:32]

अब, इज़राइल में अन्य विशेष समय। इस्राएल के पास सब्त का विशेष समय था। वे सप्ताह में एक बार सब्त का दिन मनाते हैं - शुक्रवार की रात से शनिवार की रात तक। शुक्रवार की रात को जब सूरज डूबता है, तब से मूलतः शनिवार उनकी छुट्टी का दिन होता है, और वे अपना शबात मनाते हैं। शब्बत शलोम। शब्बत शनिवार को है। यह शुक्रवार की रात से शनिवार की रात है। हम इसके बारे में पहले ही बात कर चुके हैं।

उनके पास वह भी है जिसे विश्राम वर्ष कहा जाता है, और यह बहुत साफ-सुथरा है। उनके पास हर सात साल में एक विश्राम वर्ष होता था। उन्हें भूमि को आराम करने देना था। हर सातवें वर्ष, उन्हें भूमि को आराम देना था। तो क्या ज़मीन अपने आप पुनर्जीवित हो जायेगी? आप जानते हैं, पौधे विघटित होकर भूमि को उर्वर बनाते हैं। इसलिए हर सात साल में, उनसे अपेक्षा की जाती थी कि वे ज़मीन को एक साल के लिए छोड़ दें, और उसके बाद वे अगले छह वर्षों तक उस पर खेती कर सकते थे।

उन्हें देनदारों को उनके ऋण से मुक्त करना भी था। उनके गिरमिटिया सेवकों को सातवें वर्ष (जुबली) पर रिहा किया जाना था। उस संस्कृति में, बहुत से लोग नौकर बन गये। ऐसा क्यों था? ठीक है, देश में अकाल है, तुम अपने परिवार का भरण-पोषण नहीं कर सकते। वहाँ एक अमीर आदमी है। उसके पास जमीन का एक बड़ा भूखंड है, और वह अन्य लोगों को खिलाने में सक्षम है। आपका परिवार भूखा मरने वाला है। तुम्हें क्या करना चाहिए? क्या आप इस आदमी से कहते हैं,

"ठीक है, मैं तुम्हारे लिए काम करूंगा।" मैं आपका नौकर बन जाऊंगा क्योंकि मैं अपने परिवार का भरण-पोषण नहीं कर सकता?" और इसलिए मूलतः, कर्ज और अकाल के परिणामस्वरूप लोग स्वयं को अमीर लोगों के पास गिरवी रख देंगे। वैसे, क्या उन्हें हर सात साल में आज़ाद किया जाना चाहिए था? तो हर सात साल में, आप कर्ज से मुक्त हो जाएंगे और फिर से सब कुछ शुरू करने में सक्षम होंगे।

अब, समस्याओं में से एक यह है कि क्या यहूदियों ने कभी विश्राम वर्ष का अभ्यास किया था? क्या उन्होंने छह साल के बाद एक साल के लिए ज़मीन को परती छोड़ दिया, और फिर एक साल के लिए छुट्टी दे दी? उन्होंने ऐसा कभी नहीं किया. तो लैव्यव्यवस्था अध्याय 25, यहूदियों ने ऐसा कभी नहीं किया। क्या भगवान ने इसका ध्यान रखा? उसने निश्चित रूप से ऐसा किया। परमेश्वर ने इस पर नज़र रखी, और जब वे बाबुल जाते हैं, जब दानियेल, शद्रक, मेशक और अबेदनगो को नबूकदनेस्सर द्वारा बाबुल में ले जाया जाता है, तो परमेश्वर कहते हैं, "तुम सत्तर वर्षों से बाबुल में हो।" सत्तर साल क्यों? परमेश्वर कहता है, "मेरी भूमि को विश्राम नहीं मिला।" भगवान ने उन सात वर्षों का हिसाब रखा, उन्होंने उन्हें जोड़ा और कहा, "तुम यहाँ से बाहर हो। अब मेरी ज़मीन को आराम मिलने वाला है. सत्तर साल से आप ज़मीन से दूर हैं क्योंकि आपने ऐसा नहीं किया।" इसलिए परमेश्वर ने इसका ध्यान रखा और बेबीलोन की बन्धुवाई इसी के आधार पर सत्तर वर्ष की है।

[ छात्र का प्रश्न ] नौकर। जी हाँ, आपका कर्ज उतर जाएगा. अब आपको नौकर अलग-अलग तरीकों से मिलते हैं, ठीक है? यहूदी नौकरों और सामान को रिहा कर दिया जाएगा। क्या नौकर पाने का कोई और तरीका है ? युद्ध में जाकर और उस तरह के लोगों को पकड़कर, और यह कुछ अलग है। परन्तु यहूदी सेवक कर्ज से मुक्त हो जायेंगे। लेकिन मुझे लगता है कि युद्ध में पकड़े गए लोग शायद आगे भी जारी रहेंगे क्योंकि वे एक अलग माहौल में हैं।

### **वी. जुबली का वर्ष** [49:33-50:59]

जुबली वर्ष हर सात सातों होता है। क्या आपको सात सात का वह विचार फिर से समझ में आया? सेवन सेवन्स प्लस वन हर पचास साल में होता है। तो इसमें वह सात-सात वाली बात फिर से आ गई है। सात सात प्लस एक - पचास वर्ष, और यह लैव्यव्यवस्था 25 में है। यह तब है - मान

लीजिए कि आप गरीबी में गिर गए और आप गरीब होते जा रहे हैं। क्या आप पैसे के लिए अपनी ज़मीन बेच सकते हैं? क्या लोग ज़मीन के लिए पैसे देते हैं? तो आप पैसे के लिए अपनी जमीन बेचते हैं, लेकिन वह आपकी पारिवारिक विरासत है। तो हुआ यह कि हर पचास साल में आपको अपनी पारिवारिक विरासत वाली ज़मीन वापस मिलनी थी। अब इससे क्या फ़ायदा? दूसरे शब्दों में, क्या हर पचास साल में आपका परिवार फिर से शुरू हो पाता है? तो फिर, क्या इसमें गरीबी को खत्म करने की प्रवृत्ति होगी क्योंकि हर पचास साल में आप इसे फिर से शुरू करने के लिए वापस आ जाते हैं? क्या इससे लोगों का वास्तव में, वास्तव में, वास्तव में अमीर बनना भी खत्म हो जाएगा? क्योंकि हर पचास साल में क्या होता है? उन्हें यह सब वापस देना पड़ा। तो यह चीजों को संशोधित करने का एक तरीका था। मुझे लगता है कि यह चीजों को व्यवस्थित करने का एक दिलचस्प तरीका है - बहुत, बहुत अमीर लोगों से बचना और साथ ही अत्यधिक गरीबी से भी बचना। और इस प्रकार हर पचास वर्ष पर जुबली के वर्ष में भूमि, निज भाग परिवार को वापस मिल जाती थी। जुबली के दिन भी दासों को स्वतंत्र किया जाता था (दासों की मुक्ति)।

### **डब्ल्यू पुरीम** [51:00-55:09]

कुछ अन्य दावतें भी हैं। पुरीम का पर्व एस्तेर की पुस्तक से एक दिलचस्प है। क्या किसी को याद है - हमने अभी तक एस्तेर को नहीं पढ़ा है, लेकिन मैं आपको एस्तेर का एक स्नैपशॉट देता हूँ। एस्तेर की किताब में - यह फ़ारसी काल के दौरान की बात है। जेरक्सिस फारसियों का राजा है। यह बेबीलोनियों के बाद है। फारसियों को किसने हराया? सिकंदर महान। तो यह चलता है: बेबीलोनियाई, फारसी, यूनानी। यही क्रम है। यूनानियों के पीछे कौन है? रोम वासी। तो यह क्रम है: बेबीलोनियन, फ़ारसी, ग्रीक, रोमन। तो फारसियों ने कब्ज़ा कर लिया है, और यह एक आदमी मोर्दकै को पसंद नहीं करता है जो एक यहूदी है, और वह कहता है, "मैं सभी यहूदियों को मारने जा रहा हूँ।" उसका नाम हामान है। तो हामान कहता है क्योंकि उसे उचित सम्मान नहीं दिया गया जो उसने सोचा था कि मिलना चाहिए था, वह सभी यहूदियों को मार डालेगा। इस बीच, एस्तेर राजा ज़ेरक्सिस की रानी है। तो, वह रानी है और वह यहूदी है। उसे पता चला कि हामान सभी यहूदियों को मारने की कोशिश कर रहा है। तो वह बोलती है और हामान को रात के खाने पर आमंत्रित करती है। वह बोलती है और अंततः हामान को फाँसी दे दी जाती है। हामान ने एक फाँसी का फंदा

बनवाया था जिस पर वह उसके चाचा मोर्दकै को फाँसी देने वाला था। मूलतः, होता यह है कि हामान को उसकी ही फाँसी पर लटका दिया जाता है, और यहूदियों को वापस लड़ने की अनुमति दे दी जाती है। इसलिए उन्होंने इस प्रलय, इस नरसंहार को टाल दिया। वैसे, क्या हर युग में लोग यहूदियों को मारना पसंद करते हैं? मेरा मतलब है, यह फ़ारसी काल तक चला जाता है। तो यहाँ, एस्तेर ने जो किया उसके कारण यहूदी इस नरसंहार से बच गए। इसलिए वे एस्तेर की किताब का जश्र मनाते हैं।

अब, यहां बताया गया है कि वे इसे कैसे मनाते हैं। मैं एक किनारे पर बैठा हूँ, अपनी हिब्रू पढ़ रहा हूँ, और कोने के आसपास, छोटे बच्चों का एक झुंड आता है, जो काउबॉय और काउगर्ल की तरह कपड़े पहनते हैं और कैंडी से भरे बैग ले जाते हैं, और वे मेरे पास आते हैं और मुझसे कैंडी मांगते हैं। मुझे लगता है, एक अमेरिकी के रूप में यह एक यहूदी है क्या? हेलोवीन! मैंने कहा, "मुझे नहीं पता था कि यहूदी हेलोवीन मनाते हैं!" तो मुझे लगता है, वहाँ एक यहूदी हेलोवीन है! वे हेलोवीन नहीं करते. यह पुरीम का पर्व है - एस्तेर द्वारा ईश्वर के अधीन यहूदी लोगों को बचाने का जश्र। वे इसे इस तरह मनाते हैं. वे जाते हैं और कैंडी मांगते हैं और सभी बच्चों को कैंडी मिल जाती है। सभी बच्चों को ये शोर मचाने वाले उपकरण भी मिलते हैं। क्या आपने कभी ये चीजें देखी हैं? वे एक छड़ी के सिरे पर हैं और वे इस तरह हैं, और बच्चे उन्हें इस तरह झुलाते हैं, और वे शोर मचाते हैं? उनके पास भी ये चीजें हैं, वे फूंक मार कर शोर मचाने वाली चीजें उड़ा देते हैं. होता यह है कि, जब वे पुरीम का पर्व मनाने के लिए आराधनालय में जाते हैं, तो वे एस्तेर की पूरी किताब पढ़ेंगे। सार्वजनिक रूप से, आराधनालय का रब्बी एस्तेर की पुस्तक पढ़ेगा। अब, क्या वह लंबा है? यह इतनी लंबी किताब नहीं है. लेकिन एस्तेर की किताब कहती है कि हामान का नाम हमेशा के लिए मिटा दिया जाएगा। हामान वह व्यक्ति था जो यहूदियों को मारने की कोशिश कर रहा था। इसलिए हामान का नाम हमेशा के लिए मिटा दिया जाना था। अब ये सभी बच्चे इन शोर मचाने वालों के साथ वहां बैठे हैं, तो क्या होगा? रब्बी वहाँ उठता है और वह पढ़ने की कोशिश करता है, ... "हामान!" और वह हामान का नाम लेने की कोशिश करता है, इससे पहले कि बच्चे उसे डुबो दें। तो क्या होगा, वह एस्तेर की कहानी पढ़ेगा, और बच्चे तैयार होंगे, वे हामान का नाम मिटाने के लिए तैयार होंगे। तो इससे पहले कि वे ऐसा कर सकें, लड़का इसे अंदर डालने की कोशिश करेगा। वैसे, क्या यह

बच्चों के लिए सचमुच अच्छी चीज़ है? हाँ, बच्चे भाग लेते हैं, और वैसे, क्या यह वास्तव में अच्छा है - बच्चों को रब्बी को डुबोने का मौका मिलता है? क्या आप यह सोच सकते हैं? मैं जिस बैपटिस्ट चर्च में पला-बढ़ा हूँ, वहाँ आप बस अपने हाथ जोड़कर बैठे रहते हैं, सिवाय इसके कि जब आपके माता-पिता आपको नहीं देख सकते हैं, तो आप लोगों के सिर से थूक के गोले दाग रहे हैं, लेकिन इसके अलावा। क्या आपने देखा कि बच्चे किस प्रकार भाग लेते हैं? उन्होंने हामान का नाम डुबा दिया। यह पुरीम का पर्व है। यह आमतौर पर मार्च के महीने में, उसके आसपास होता है। एस्तेर की दावत के लिए यह वास्तव में एक शानदार दावत है। अब एस्तेर पेंटाटेच और मूसा के बहुत पीछे है।

### **एक्स. हनुक्का** [55:10-57:08]

अब यहाँ एक है जिसे आप शायद असली कुँए का नाम जानते हैं - हनुक्का की दावत? अगर मैंने आपसे कहा, "हैप्पी हनुक्का", हनुक्का कब होता है? आमतौर पर हमारे लिए कौन सी दावत होती है? क्रिसमस के समय के आसपास. हनुक्का आमतौर पर दिसंबर में, क्रिसमस के समय के आसपास, क्रिसमस के समय से ठीक पहले होता है। हनुक्का वास्तव में 165 ईसा पूर्व मैकाबीज़ ने जो किया उसका उत्सव है। क्या कोई मैकाबीज़ की किताब से परिचित है? यह अपोक्रीफ़ा में है. पुराने नियम के समाप्त होने के बाद, ये मैकाबीज़ - मूल रूप से उसी प्रकार की चीज़ हो रही थी। एंटीओकस एपिफेन्स नाम का यह व्यक्ति सीरिया में एक बहुत बुरा व्यक्ति था। सीरिया इस्राएलियों को मारने और उन्हें नष्ट करने की कोशिश में इस्राएल में आ रहा था। उन्हें खतना करने की अनुमति नहीं थी, उन्होंने धर्मग्रंथों को जला दिया, उन्होंने यहूदियों को मार डाला और यहूदियों पर हावी होने और उन्हें यूनानी बनाने की कोशिश कर रहे थे। क्या हुआ, ये मैकाबीज़ उठे - उनके नाम का वास्तव में अर्थ है "हथौड़ा" - मैकाबीज़ उठे और सीरियाई शासक के खिलाफ विद्रोह किया और उन्होंने मंदिर को शुद्ध किया। जब उन्होंने मन्दिर को शुद्ध किया, तब परमेश्वर ने मन्दिर में तेल बढ़ा दिया, और इस प्रकार दीवट सात दिन के बदले आठ दिन तक जलता रहा। तो फिर, वे मंदिर के मैकाबीन शुद्धिकरण का जश्न मनाते हुए हनुक्का का पर्व मनाते हैं। वैसे, क्या यीशु ने हनुक्का मनाया था? जॉन अध्याय 10 श्लोक 22 स्पष्ट रूप से कहता है कि यह समर्पण का पर्व था और यीशु वहाँ जा रहे थे। तो यहाँ तक कि यीशु भी - वैसे, क्या यीशु काफी यहूदी थे? हाँ, यह यहूदी था. यीशु यहूदी हैं और वह हनुक्का का यहूदी पर्व मनाते हैं। इसलिए जॉन ने समर्पण के पर्व का उल्लेख

किया है जो मैकाबीज़ के काल का हनुक्का का पर्व है। तो ये इज़राइल के पर्व हैं, और यह एक साफ-सुथरी चीज़ है। यहूदी अपनी दावतें मनाना पसंद करते हैं और हम भी।

### Y. संख्याओं की पुस्तक [57:09-58:00]

तो अब, मैं संख्याओं की पुस्तक पर जाना चाहता हूँ। बहुत सारे लोगों को नंबरस की किताब पसंद नहीं आती। वहाँ बहुत सारी वंशावली, बहुत सारे नाम, संख्याएँ और चीज़ें हैं, और इसलिए संख्याओं की पुस्तक को अक्सर बहुत हल्के ढंग से पारित कर दिया जाता है। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि संख्याओं की किताब ने, धार्मिक रूप से, मुझे उतना ही आकार दिया है जितना शायद बाइबिल की किसी भी किताब ने। और आप कहते हैं, "क्या आप मुझसे मज़ाक कर रहे हैं?" मैं तुम्हें दिखाता हूँ क्यों। संख्याओं की पुस्तक में वास्तव में कुछ दिलचस्प और गतिशील चीज़ें हैं। यह उन चालीस वर्षों के जंगल में भटकने के बारे में बताता है जब इस्राएल जंगल में भटकता रहा। जब वे जंगल में भटकते रहे, तो उनके पास क्या न था? उनके पास न भोजन था, न पानी, न नेतृत्व। उन्हें बहुत सारी समस्याएँ थीं। वे हर चीज़ के बारे में शिकायत कर रहे थे। तो, संख्याओं की पुस्तक में जंगल की भटकन को आमतौर पर एक नकारात्मक पुस्तक माना जाता है, लेकिन मैं उसमें से कुछ बातें साझा करना चाहता हूँ।

### ज़ेड नाज़िराइट प्रतिज्ञा [संख्या 6] [58:01-70:18]

**संख्याओं की पुस्तक, अध्याय 6** में, हमें इस नाज़ीर की कहानी मिलती है और जिसे नाज़ीर प्रतिज्ञा कहा जाता है। तो यह संख्या, अध्याय 6 से है। तीन नियम हैं। आप नाज़ीराइट कैसे बनते हैं? क्या तुम लोग नाज़ीर बनना चाहते हो? आप नाज़ीराइट कैसे बनते हैं? इस नाज़ीर व्रत के तरीके में खुद को प्रभु को समर्पित करने के लिए मूल रूप से तीन नियम हैं। पहली बात तो ये कि शवों को न छुएं। अब आप कहते हैं, "ठीक है, यह बहुत अच्छा है। मैं जैसे भी शवों को छूना नहीं चाहता।" हमारी संस्कृति में दूसरे लोग हमारे लिए शवों को छूते हैं। उस संस्कृति में, क्या उनके पास उपक्रमकर्ता की तरह थे या परिवार के सदस्यों को शरीर को मृत्यु के लिए तैयार करना था? हाँ। और इसलिए, यदि आप नाज़ीर हैं, तो आपको शवों को छूने की अनुमति नहीं है, इस तरह की चीज़, इसलिए यह महत्वपूर्ण था।

नाज़ीर को अंगूर का कोई भी उत्पाद नहीं खाना था। इसका मतलब है कि निश्चित रूप से

कोई शराब नहीं, कोई अंगूर का रस नहीं - आप अंगूर भी नहीं खा सकते थे और आप किशमिश भी नहीं खा सकते थे। अंगूर से किसी भी चीज़ की अनुमति नहीं थी, इसलिए अंगूर से किसी भी उत्पाद की अनुमति नहीं थी।

तीसरा - अब जैसे ही मैं इस तीसरे को वहां रखूंगा, हर कोई एक ही विचार सोचने लगेगा। जब मैं इसे वहां रखता हूँ, तो आपके दिमाग में कौन आता है? आपको अपने बाल काटने की अनुमति नहीं है - सैमसन? सबके मन में सैमसन का नाम आता है क्योंकि सैमसन को अपने बाल काटने की इजाजत नहीं थी. वैसे, क्या बालों तक पहुँचने से पहले सैमसन को इनमें से कुछ अन्य समस्याओं से कोई समस्या है? शिमशोन एक नाज़ीर था। वह जन्म से ही नाज़ीर था, इसलिए उसे जन्म से ही कभी अपने बाल नहीं कटवाने पड़े। सवाल- उन्हें शवों को नहीं छूना था, इसमें दिक्कत क्या है? क्या सैमसन ने शव

*बनाए? हाँ, ठीक है, तो आपको बाल मिलेंगे - सैमसन के लिए बाल आखिरी तिनका थे।* नाज़ीर प्रतिज्ञा के लिए ये तीन चीज़ें हैं, और एक व्यक्ति स्वयं को विशेष रूप से प्रभु के प्रति समर्पित करेगा। वे न अंगूर लेंगे, न सिर पर उस्तरा चलाएंगे, और न शवों को छूएंगे।

अब इसका कार्य क्या था? व्यक्ति खुद को यहोवा के लिए अलग कर रहा था, वे खुद को अलग करने की शपथ लेते हैं, खासकर भगवान के लिए। इससे पता चलता है कि भगवान किसी के भोजन के ऊपर है, भगवान उसके परिवार के ऊपर है, और यहां तक कि कोई अपने शरीर को कैसे रखता है, उसके ऊपर भी भगवान है। ईश्वर व्यक्ति के भोजन, परिवार और स्वयं के शरीर पर निर्भर था। यह एक प्रत्यक्ष स्मारक था।

यदि किसी व्यक्ति ने नाज़ीर की शपथ ली है - वैसे, क्या आपको हमेशा के लिए नाज़ीर की शपथ लेनी होगी? तुम्हें ऐसे जन्म लेना था जैसे सैमसन जन्म से नाज़ीर था और वह जीवन भर नाज़ीर था। क्या आपको एहसास है कि कई लोगों ने सिर्फ एक साल, दो साल, या आधे साल, या ऐसा ही कुछ के लिए नाज़ीर शपथ ली थी? आप कम समय के लिए शपथ ले सकते हैं। तुम्हें यह जीवन भर नहीं करना पड़ेगा। अब सैमसन ने इसे अपने पूरे जीवन भर किया, लेकिन सामान्य लोगों के रूप में आप इसे केवल चुनिंदा समय के लिए ही कर सकते हैं। वैसे, यदि आप सैमसन को देखें, तो क्या आप जान पाएंगे कि वह एक नाज़ीर है? क्यों? उन्होंने कभी अपने बाल नहीं काटे. मुझे उस

लड़के की दाढ़ी और उसके बालों के बारे में बताओ। अब मेरी पत्नी, हम उस समय बड़े हुए जब उनके पास "हिप्पी" कहलाने वाले लोग थे। इसलिए मेरी पत्नी के बाल उसकी पीठ पर थे। जाहिर तौर पर, जब आपके बाल एक निश्चित लंबाई के हो जाते हैं तो उनका बढ़ना बंद हो जाता है। अब उस लड़के की दाढ़ी, मैंने अपनी दाढ़ी कभी इतनी लंबी नहीं की है, लेकिन मैं उस लड़के की दाढ़ी के बारे में भी यही सोचता हूँ, लेकिन क्या सैमसन के बाल इतने बड़े होंगे? उन्होंने कभी भी अपने बाल नहीं कटवाए। क्या कभी किसी ने कीथ ग्रीन की तस्वीर देखी है? असल में, मेरे नायकों में से एक कीथ ग्रीन नाम का यह लड़का है, और उसका वह बाल कटवाने से मुझे वास्तव में सैमसन की याद आती है।

भगवान के लिए चीज़ों का त्याग करना - भोजन, परिवार, यहाँ तक कि जिस तरह से कोई अपने शरीर को सजाता है। यह परमेश्वर के लिए चीज़ों को त्यागने के बारे में है। अब, आप नाज़ीर प्रतिज्ञा कैसे पूरी करते हैं ? जब आप अपनी नाज़ीर प्रतिज्ञा पूरी कर लेते हैं, तो आप इसे कैसे पूरा करते हैं? खैर, सबसे पहले, आप भगवान को एक बलिदान चढ़ाते हैं। क्या यह स्वाभाविक नहीं लगता? आप भगवान के प्रति अपना समर्पण व्रत पूरा करने जा रहे हैं और आप एक बलिदान चढ़ाते हैं। दूसरा काम जो आप करते हैं वह है कि आप अपना सिर मुंडवा लेते हैं - क्या इसमें दर्द होना चाहिए? तुम अपना सिर मुँडाओ और अपने बालों को वेदी पर जलाओ। तो अचानक वह आदमी बालों के बड़े सिर से मुंडा सिर में चला जाता है और बाल मुंडा दिए जाते हैं। [ छात्र का प्रश्न ] हाँ, सैमसन। जब मैं कहता हूँ - आप में से कितने लोग सैम्पसन कहते हैं और अपने सैमसन में "पी" लगाते हैं? क्या कोई अपने सैमसन में "पी" डालता है? आप लोग ग्रीक सेप्टुआजेंट से काम कर रहे हैं, हालाँकि आप इसे नहीं जानते थे। क्या सैमसन के नाम में "पी" है? नहीं, ऐसा नहीं है। लेकिन आमतौर पर हर कोई पुराने नियम के ग्रीक पाठ सेप्टुआजेंट के आधार पर इसका उच्चारण सैम्पसन करता है। वे यह भी नहीं जानते कि क्यों, लेकिन वास्तव में उसका नाम शिमशोन है। शिमशोन शब्द "सूर्य" पर आधारित है। तो सैमसन के नाम का वास्तव में अर्थ है "धूप।" तो "सनी" सैमसन का नाम है। सैमसन - वह जन्म से ही नाज़ीर था। शमूएल भी जन्म से नाज़ीर था। बहुत से लोग नाज़ीराईट प्रतिज्ञा को सैमुएल के साथ नहीं जोड़ते हैं, लेकिन वह भी जन्म से नाज़ीर था। यहाँ नए नियम में एक है: पॉल। प्रेरित पॉल अपने मंत्रालय के अंत में एक प्रतिज्ञा

लेता है जब वह यरूशलेम वापस आ रहा है, और यरूशलेम के गरीब लोगों के लिए धन जुटाने की कोशिश कर रहा है। पॉल नाज़रीन प्रतिज्ञा लेता है। वैसे, क्या इसका मतलब यह है कि पॉल को यरूशलेम जाने और वेदी पर अपने बाल जलाने की ज़रूरत है? क्या वह अपना सिर मुंडवाता है और अपने बाल वेदी पर जलाता है? याद रखें कि ये सभी लोग पॉल से कह रहे थे, “पॉल, यरूशलेम तक मत जाओ। पॉल, यदि तुम यरूशलेम तक जाओगे, तो वे तुम्हें वहां पकड़ लेंगे और यह तुम्हारे लिए वास्तव में बहुत बुरा होगा। प्रश्न - पॉल ने नाज़ीराईट शपथ ली थी। क्या उसे वेदी पर अपने बाल जलाने के लिए यरूशलेम जाने की ज़रूरत है? हाँ, वह करता है और पॉल उस पर अमल करता है। एक बार जब वह वहां पहुंच जाता है, तो क्या वे उसे जेल में डाल देते हैं? हाँ वे करते हैं। तो, पॉल ऐसा ही था। लेकिन वैसे भी, वह एक नाज़ीर प्रतिज्ञा को एक अवधि के लिए करता है, मुझे नहीं पता, एक या दो साल के लिए - प्रेरित पॉल ऐसा करता है।

अब इससे एक और प्रश्न उठता है: क्या यीशु नाज़ीर था ? आप कहते हैं, "नहीं, क्योंकि मैंने यीशु की तस्वीरें देखी हैं और वह हमेशा अच्छी तरह से शेव किया हुआ रहता है।" क्या यीशु नाज़ीर था ? जब मैं छोटा था, तो मुझे सिखाया गया था कि यीशु एक नाज़ीर था , और इसलिए, यीशु शराब नहीं पीता था। इसलिये, क्योंकि यीशु ने दाखमधु नहीं पिया, इसलिये तुम्हें भी दाखमधु नहीं पीना चाहिए। यीशु एक नाज़ीर था । उस तर्क में समस्या क्या है? हाँ, यीशु ने न केवल शराब पी, बल्कि उसने शराब बनाई। लेकिन फिर आप कहते हैं, "ठीक है, वह अंगूर का रस था और वास्तव में वह नहीं था..." और आप उस सब पर चले जाते हैं, लेकिन यीशु नाज़ीर नहीं था। यीशु नाज़रीन था। उसका क्या मतलब है? एक नाज़रीन का मतलब है कि वह नाज़रेथ शहर से है, इसका बस इतना ही मतलब है। यीशु नाज़रीन था, यानी वह गलील के नाज़रेथ शहर से था। इसका मतलब यह नहीं कि वह नाज़ीर था । यीशु नाज़ीर नहीं था । वह नाज़रेथ शहर का एक नाज़रीन था। यह महत्वपूर्ण है कि आप शराब वाली चीज़ का क्या करते हैं? क्या बाइबल शराब से परहेज़ करना सिखाती है? यीशु ने शराब पी। फसह के प्याले में - हम जानते हैं कि यहूदी फसह के प्याले में क्या था। यह प्याले में शराब है. आप कहते हैं, “क्या यह वैध है और क्या मैं गॉर्डन कॉलेज के संकाय सदस्य के रूप में शराब पी सकता हूँ? हां, जब तक यह कैम्पस में नहीं है। मुझे लगता है कि उनके पास एक नियम है, संकाय परिसर से बाहर जा सकता है। हर किसी की तरह मैं भी शराब पीने का शौकीन हूँ। मोटे

तौर पर, मैं वास्तव में तब तक शराब नहीं पीता जब तक कि मैं सांस्कृतिक स्थिति में न हो जैसे कि मैं यहूदी संदर्भ में हूँ और आदमी मुझे कुछ शराब देता है और आप एक समारोह कर रहे हैं और आप भाग लेते हैं। मैंने काफी समय तक एक महिला से सलाह-मशविरा किया, जिसका पति शराबी था। वह घर आता था और अपने बच्चों को पीटता था और हर तरह की बुरी चीजें करता था। मेरे जीजाजी को शराब से बड़ी समस्या थी। मैंने तुमसे कहा था, हमने उस आदमी की सारी चीजें उठा लीं और अपने घर ले आये। मेरा एक और दोस्त, एरिक ज़िम्मरमैन, मेरा एक सच्चा अच्छा छात्र मित्र, एक रात मारा गया जब एक शराबी मूल रूप से स्टॉप साइन के माध्यम से भाग रहा था, जिससे एरिक की मौके पर ही मौत हो गई। मेरे दोस्त, वह आज तक इसी वजह से कब्र में है। इसलिए, एरिक के मरने के बाद, मैं शराब नहीं पीता।

वास्तव में दिलचस्प बात यह है कि मैं शराब नहीं पीता। क्या मेरे सभी बच्चे शराब पीते हैं? हाँ। मेरा एक बेटा वास्तव में इसे इन पाँच गैलन बाल्टी में बना रहा है। तो उस अर्थ में इसने वास्तव में अच्छा काम नहीं किया है, लेकिन मुझे पता है कि मुझे जो करना है वह मेरे लिए सही है।

वैसे, बाइबल शराब की निंदा नहीं करती। बाइबल नशे की निंदा करती है। क्या बाइबल स्पष्ट है कि शराब पीना पाप है? बाइबल में स्पष्ट है कि शराब पीना पाप है। तो नशा ही समस्या है।

वैसे, जब आप इज़राइल में हों - मैं एक साल तक इज़राइल में रहा! वहाँ के लोग खाने के साथ शराब भी पीते हैं। मैं- ईमानदारी से कहूँ तो मैंने इज़राइल में कभी किसी को शराबी नहीं देखा। यदि आप यहूदी हैं और आप वहाँ नशे में धुत हो जाते हैं, तो क्या आप नशे में धुत होकर अरब क्षेत्र में जाना चाहेंगे? मैं आपको बस इतना बताना चाहता हूँ कि आप वहाँ नशे में धुत हो जाते हैं, आप मर सकते हैं। और इसलिए लोग ऐसा नहीं करते। वे संयमित मात्रा में शराब पीते हैं। तो, आपको सावधान रहना होगा। बाइबल परहेज़ नहीं कहती। मैं अन्य कारणों से परहेज़ करता हूँ, लेकिन इसलिए नहीं कि बाइबल इसकी आज्ञा देती है। आपको उसके साथ काम करना होगा।

अब, आखिरी कक्षा के घंटे में यह व्यक्ति, वह एक चर्च से है जहाँ चर्च एक रुख अपनाता है कि वे चर्च में शराब नहीं पीते हैं। क्या उसे उस चर्च में वापस जाना चाहिए और कहना चाहिए, "मेरे प्रोफेसर कहते हैं कि यीशु ने शराब पी थी।" क्या वह सचमुच बदसूरत है? जब आप फिर से ऐसे संदर्भ में हों, तो मैं इसे कोई बड़ी बात नहीं बनाऊंगा। यदि आप ऐसे समुदाय में हैं जहाँ वे शराब

नहीं पीते हैं और यह उनके लिए बहुत बड़ी बात है, तो मुझे लगता है कि मैं जो कह रहा हूँ वह है: शांत हो जाओ। आपको वहां बड़े होकर जाने की ज़रूरत नहीं है - आप उन्हें शराब जैसी चीज़ों के बारे में बताएंगे।

मैं टेनेसी क्षेत्र में कुछ समय के लिए एक चर्च में पादरी था, जहां उन्होंने शराब के कारण चर्च को विभाजित कर दिया था। उन्होंने शराब के नशे में चर्च को उड़ा दिया। मैं यह जानते हुए अंदर आया हूँ कि चर्च इस शराब के मुद्दे पर बंटा हुआ है - मैं एक उपदेशक के रूप में आया था, मैं पहले दिन बाहर चला गया - मैं इसे कभी नहीं भूलूंगा - एल्डर बोर्ड पूरी तरह से खड़ा था और मैं उनसे हाथ मिलाने जाता हूँ और उन बुजुर्गों में से हर एक या तो चबा रहा है या धूम्रपान कर रहा है या थूक रहा है। अंदाज़ा लगाएं कि इन लोगों ने जीविका के लिए क्या किया? उन्होंने तम्बाकू उगाया। यह नीचे दक्षिण की ओर है। उन्होंने तम्बाकू उगाया, और वे सभी तम्बाकू किसान हैं। उन्होंने तो बस शराब पर चर्च को विभाजित कर दिया। अब मैं उत्तर से हूँ। क्या इससे मेरा दिमाग चकरा गया? मैंने सोचा, "आपने शराब को लेकर चर्च को विभाजित कर दिया, जो ठीक है, और फिर भी आप सभी लोग तम्बाकू उगाते हैं, जो हर किसी को मार रहा है।"

तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि क्या मैं वहां गया और अपना अगला उपदेश तम्बाकू की बुराइयों पर दिया। क्या आप समझते हैं कि उन्होंने शराब के नशे में ऐसा क्यों किया? ये लोग वहाँ चाँद चमकाने वालों का एक समूह थे। वे रेडिएटर्स में चंद्रमा को चमका रहे थे और उन्हें बेवकूफ़ रेडिएटर्स से सीसा विषाक्तता मिल रही थी! तो, आप जानते हैं कि मैं क्या कह रहा हूँ। शराबबंदी के दिनों में बड़ी समस्याएँ थीं। ये लोग दूसरी तरफ चले गये।

तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि, आपको इसमें फिट होना होगा, मुझे लगता है कि मैं एक बार फिर यही कह रहा हूँ - बड़े पर प्रमुख, छोटे पर छोटे। कुछ चीज़ें ऐसी हैं जो इतनी महत्वपूर्ण नहीं हैं कि उन पर लड़ना संभव हो। इसलिए यदि मैं किसी ऐसे चर्च में जाता हूँ जहाँ हर कोई परहेज़गार प्रकार का व्यक्ति है, तो मैं बस परहेज़ करता हूँ। अगर मैं किसी ऐसे चर्च में जाता हूँ जहाँ हर कोई शराब पीता है, तो मैं बस उन्हें यह समझाने की कोशिश करता हूँ कि मैं शराब क्यों नहीं पीता, लेकिन अगर मैं उस संदर्भ में हूँ जहाँ यह उनके लिए अपमानजनक होगा, तो मैं पीता हूँ। मुझे जो भी पीना होगा पी लूँगा। तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि, बस संगति और समुदाय के बारे

में सोचें क्योंकि यह आप जो पीते हैं उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। मुझे लगता है कि मैं यही कह रहा हूँ।

### ए.ए. अंक 6 और पुरोहिती आशीर्वाद [70:19-74:31]

पवित्रशास्त्र का सबसे पुराना भाग संख्या अध्याय 6 है। मैं आपको केवल कहानी सुनाता हूँ। मुझे लगता है कि मैं यह पहले ही बता चुका हूँ. क्या आपको जेईडीपी सिद्धांत याद है? आलोचकों का कहना है कि इसे मूसा ने नहीं लिखा. पेंटाटेच एक जे लेखक द्वारा लिखा गया था जो यहोवा के नाम को पसंद करता था, ई लेखक जो एलोहिम के नाम का समर्थन करता था, ड्यूटेरोनॉमी को जोशिया के समय के आसपास जोशिया द्वारा एक अलग तरह से लिखा गया था, और फिर पी दस्तावेज़ सबसे उन्नत था, और यह पुरोहिती सामग्री की सारी जटिलता के कारण यह पुरोहिती दस्तावेज़ था। पुरोहित संहिता लिखी गई थी - पी दस्तावेज़ - बेबीलोन में निर्वासन के बाद लगभग 550 ईसा पूर्व से 450 ईसा पूर्व।

अब, मैं आपको संख्याओं में से पुरोहितों का आशीर्वाद पढ़कर सुनाता हूँ। “यहोवा ने मूसा से कहा, हारून और उसके पुत्रों से कह, कि हे हारून, याजक होकर तू इस्राएलियों को इस प्रकार आशीर्वाद दे: उन से कह, यहोवा तुम्हें आशीष दे, और तुम्हारी रक्षा करे। प्रभु तुम पर अपना मुख चमकाए और तुम पर अनुग्रह करे। प्रभु अपना चेहरा आपकी ओर करें और आपको शांति दें।” आप में से कितने लोगों ने एक पादरी को यह कहते सुना है, "प्रभु आपको आशीर्वाद दें और आपकी रक्षा करें, उनका चेहरा बनाएं..." यदि आप पार्क स्ट्रीट चर्च में जाते हैं, तो डॉ. गॉर्डन ह्यूजेनबर्गर प्रत्येक चर्च सेवा में इस पुरोहिती आशीर्वाद के साथ समाप्त होगा। यह पुरोहित का आशीर्वाद है.

यदि आप यरूशलेम हैं, तो आप लोग जैतून का पर्वत हैं, जैतून पर्वत और यरूशलेम के बीच एक घाटी है जो किड्रोन घाटी कहलाती है। यह यहाँ मृत सागर तक जाती है। एक और घाटी है जो इस रास्ते से नीचे जाती है और यहीं से होकर गुजरती है। वे यहीं एक होटल बना रहे थे और खुदाई करने वाली मशीन अचानक किसी चीज से टकरा जाती है। यह एक कब्र थी. यह कब्र ढह गई थी - और मुझे लगता है कि मैंने इसके बारे में पहले भी बात की थी - कब्र भूकंप से ढह गई थी। जब वे वहां पहुंचे तो गले में चांदी का ताबीज पहने एक महिला समेत सारा सामान वहां मिला।

महिला अभी भी अपनी जगह पर थी और उसके गले में एक ताबीज था। इसमें उन्हें लग गए - मुझे उस चांदी के ताबीज को खोलने में तीन साल लग गए। दरअसल, जब आप यरूशलेम में कब्रों के बारे में बात कर रहे हैं, तो आप एक आदमी के बारे में बात कर रहे हैं, और वह नाम है गेब्रियल बार्के। सत्तर के दशक में, यानी उन्नीस सत्तर के दशक में मुझे उनके अधीन अध्ययन करने का मौका मिला, और गैबी बार्के मेरे शिक्षक थे। मेरे लिए वास्तव में अच्छी चीजों में से एक यह आखिरी सेमेस्टर थी, हमारे पास एक गॉर्डन छात्र था - वैसे, आप लोग इज़राइल में जेरूसलम यूनिवर्सिटी कॉलेज में माउंट सियोन पर अध्ययन कर सकते हैं। हमारे छात्रों में से एक ने वापस आकर कहा, "आप जानते हैं, मैंने डॉ. गैबी बार्के से यरूशलेम का पुरातत्व ले लिया है" और मैंने सोचा, नहीं, वह अभी भी जीवित नहीं हो सकता। सत्तर के दशक में जब मैं वहां था तब वह बूढ़े थे। यह आदमी बहुत बूढ़ा है। वह आज भी दिन में एक पैकेट सिगरेट पी जाते हैं। मुझे नहीं पता कि वह ऐसा कैसे करता है। लेकिन वैसे भी, लेकिन वह यरूशलेम के निवासी पुरातत्वविद् हैं। मैं उसके साथ रहा हूं जब वह किसी कब्र में जाता है, कब्र की दीवार तक जाता है और वहां छेनी के निशान को छूता है और आपको बता सकता हूं कि छेनी का निशान कब बनाया गया था इसके सौ साल के भीतर। यह व्यक्ति अत्यंत प्रतिभाशाली यहूदी व्यक्ति है जिसने जीवन भर यरूशलेम में कब्रों का अध्ययन किया है। वह यरूशलेम में कब्रों पर दुनिया के अग्रणी विशेषज्ञ हैं। वह उन सभी में रहा है, और उन्होंने उसे यह खोजने के लिए प्रेरित किया। वह इसे प्रकाशित करना समाप्त करता है।

यह धर्मग्रन्थ का सबसे प्रारंभिक अंश है। यह कब से दिनांकित है? यह 700 ईसा पूर्व का है। वह महत्वपूर्ण क्यों है? क्योंकि आलोचक कह रहे थे कि पुरोहिती दस्तावेज (पी) 450 ईसा पूर्व का है। वास्तव में हमारे पास 700 ईसा पूर्व की एक महिला के गले में धर्मग्रन्थ का एक टुकड़ा है। यह बाइबिल का अब तक पाया गया सबसे पहला टुकड़ा है। जब यह इस महिला के गले में घूम रहा था तो कौन रह रहा था? क्या आप राजा हिजकिय्याह को जानते हैं - क्या किसी ने कभी हिजकिय्याह के बारे में सुना है? जब यह इस महिला के गले में घूम रहा था तब हिजकिय्याह जीवित था। बाइबिल में हिजकिय्याह! तो ये वाकई एक जबरदस्त खोज है। ईमानदारी से कहूं तो मैं डॉ. बार्के के लिए बहुत खुश था कि उन्हें इसमें शामिल होने का मौका मिला। यह संख्याओं की पुस्तक से निकल कर आ रहा है। संख्या 6, पुरोहित का आशीर्वाद अब तक प्राप्त पवित्रशास्त्र का सबसे पहला टुकड़ा है।

## एबी. संख्या साहित्यिक चक्र [74:32-76:10]

संख्याओं की पुस्तक एक चक्र पर चलती है, और ये चक्र बार-बार घटित होते हैं, और चक्र इस प्रकार दिखता है: सबसे पहले, **उनमें एक समस्या है**। उनकी समस्या क्या है? उनकी समस्या यह है कि वे रेगिस्तान में हैं, और जब आप रेगिस्तान में हैं तो वहां कुछ नहीं है? ऐसा कहने के लिए कुछ भी नहीं है। जब आप रेगिस्तान में होते हैं, वहां पानी नहीं है, भोजन नहीं है, वहां नहीं है - आपके सामने ये सभी समस्याएं हैं। इसलिए रेगिस्तान में कठिनाई है और लोगों को समस्या का सामना करना पड़ेगा। तो फिर लोग क्या करते हैं? **लोग शिकायत करते हैं**। और वे क्या कहते हैं? वे कहते हैं, "मूसा, हम चाहते हैं कि हम मिस्र में वापस होते जहां हमने ये सभी लीक और खरबूजे खाए और हमारे पास यह सारा भोजन और पानी था," नील नदी। तो लोग शिकायत करते हैं। फिर क्या होता है? **भगवान जवाब देते हैं**। क्या भगवान रेगिस्तान में यहूदी लोगों पर क्रोधित होते हैं? हाँ, आपने इसे देखा। वह क्रोधित हो जाता है और इसमें करोड़ों बार परमेश्वर के क्रोध का उल्लेख होता है, और इसलिए परमेश्वर प्रतिक्रिया देता है। कई बार परमेश्वर इस्राएलियों पर क्रोधित हो जाता है, और फिर परमेश्वर के क्रोधित होने के बाद कौन हस्तक्षेप करता है? मूसा बीच में कूद पड़ता है और कहता है, "हे भगवान, ऐसा मत करो! बस उन पर आराम करो" और मूसा बीच में कूद पड़ता है और **मूसा फिर मध्यस्थता करता है**। फिर क्या होता है? यह कुछ दिलचस्प है। क्या ईश्वर नरम है? वह इसराइल पर गुस्सा है। वह उन्हें नष्ट करने जा रहा है या कुछ करेगा - आग या साँप या कुछ और - और तब भगवान नरम पड़ जाते हैं। फिर आमतौर पर कहानी के अंत में एक **सारांश होता है** जो कहानी का सार प्रस्तुत करता है।

## एसी। संख्याएँ लघु-चक्र संख्याएँ 11:1-2 [76:11-78:11]

अब, मैं जो करना चाहूंगा वह एक छोटी-सी साइकिल लेना है, और मैं आपको यह पूरा चक्र दो छंदों में दिखाऊंगा। इसीलिए इसे लघुचक्र कहा जाता है, इसमें केवल दो श्लोक हैं, फिर भी इसमें पूरा चक्र है। फिर हम एक बड़े चक्र को देखेंगे। तो हम पहले एक छोटा चक्र करेंगे, फिर हम एक बड़ा चक्र करेंगे। संख्याओं में इस पैटर्न के लिए दो-पद्य चक्र। संख्याएँ, अध्याय 11, श्लोक 1-2 - दो श्लोक, यहाँ बताया गया है कि यह कैसे होता है। संख्याएँ, अध्याय 11, श्लोक 1: "अब लोगों ने प्रभु के सामने अपनी कठिनाइयों के बारे में शिकायत की।" इसलिए लोगों ने अपनी कठिनाइयों के

बारे में शिकायत की। समस्या क्या है? समस्या रेगिस्तान की कठिनाइयाँ हैं। वैसे, क्या रेगिस्तान में रहना कठिन है? तुम्हें इस पर ज्यादा भरोसा है। तो, कठिनाइयों को त्यागें, और फिर लोग शिकायत करें। "अब लोगों ने प्रभु के सामने अपनी कठिनाइयों के बारे में शिकायत की।"

तो फिर आप आगे क्या होने की उम्मीद करते हैं? भगवान जवाब देते हैं. "तब जब यहोवा ने उनकी बात सुनी, तो उसका क्रोध भड़क उठा। तब यहोवा की ओर से आग उनके बीच में जल उठी और छावनी का कुछ बाहरी भाग भस्म हो गया।" तो, भगवान इस आग को भेजता है, यह चीजों और लोगों को भस्म कर देती है। आग ने शिविर के बाहरी हिस्से को जला दिया।

अब क्या होगा? यह सब दो श्लोकों के भीतर है - यह पूरा चक्र। तो फिर हमारे पास क्या बचा है? हमें इसे अंत में एक सबक के रूप में एक साथ खींचने की आवश्यकता है, और इसलिए यह कहता है, "उस स्थान का नाम तबेरा रखा गया क्योंकि वहां प्रभु की अग्नि शांत हो गई थी।" इसलिए उस स्थान का नाम तबेरा रखा गया। इस जगह का नाम वहां लगी इसी आग के कारण पड़ा। यह सब दो श्लोकों में घटित होता है।

### ई.पू. संख्या 11:4-25 शिकायत और विलाप भेद [78:12-87:54]

अब, मैं एक बड़े चक्र की ओर बढ़ना चाहता हूँ, और बड़ा चक्र वह है जिसमें मूसा यहां व्यक्तिगत रूप से शामिल हो गए हैं। इसका संबंध मन्ना से है। लोग मन्ना से ऊब जाते हैं और वे खाने के लिए मांस चाहते हैं। उन्हें परमेश्वर का मन्ना पसंद नहीं है और वे खाने के लिए मांस चाहते हैं। इसलिये वे मूसा के पास उस विषय में शिकायत करने आये।

अब, ऐसा करने से पहले, मैं इसे स्थापित करना चाहता हूँ। लोग शिकायत करते हैं, और परमेश्वर की प्रतिक्रिया क्या है? लोग शिकायत करते हैं, और भगवान क्रोध और न्याय के रूप में प्रतिक्रिया देते हैं। लेकिन जब मूसा शिकायत करता है तो क्या होता है? जब मूसा स्वयं शिकायत करता है, तो क्या परमेश्वर का क्रोध भड़क उठता है? क्या वह मूसा का न्याय करता है? जब मूसा शिकायत करता है तो भगवान वास्तव में उसकी मदद कैसे करते हैं? मैं एक अंतर करना चाहता हूँ - यह शिकायत और विलाप के बीच वास्तव में एक महत्वपूर्ण अंतर है। मैं इन दो शब्दों के बीच अंतर करना चाहता हूँ - शिकायत और विलाप। शब्द बिल्कुल वही हैं। वे दोनों ईश्वर से शिकायतें हैं, लेकिन अर्थ पूरी तरह से अलग है, और यही कारण है कि मुझे लगता है कि क्या हो रहा है - क्यों

मूसा को मदद मिलती है और इज़राइल को न्याय मिलता है, यह विलाप और शिकायत के बीच इस अंतर के कारण है।

मैं उदाहरण के तौर पर अपनी पत्नी का उपयोग करता हूँ। मेरी शादी हो चुकी है - मैं कह रहा था कि 36 साल हो गए हैं, लेकिन मुझे अपने दिमाग में घटाव करने की ज़रूरत है, और यहाँ बहुत कुछ है - लेकिन 36 साल से अधिक। तो हमारी शादी को काफी समय हो गया है। क्या मेरी पत्नी मुझसे प्यार करती है? इसका जवाब यह है कि 36 साल बाद आप इस पर विश्वास करना बेहतर समझते हैं। मेरा मतलब है, वह मेरे साथ अच्छे और बुरे दौर से गुजरी है, लेकिन ज्यादातर समय बुरा ही रहा है। और हां, मुझे पता है कि वह मुझसे प्यार करती है। हम लगभग तीस के दशक के आसपास थे - वह शायद 35-ईश, 36-ईश की थी। मेरी पत्नी एक बहुत ही अंतर्मुखी व्यक्ति है, एक बहुत ही शांत व्यक्ति - एक बहुत ही सामाजिक व्यक्ति लेकिन बहुत शांत। मैंने कभी नहीं सुना - जब मेरे बच्चे हर तरह की पागल हरकतें करते थे, तो मैंने कभी अपनी पत्नी को चिल्लाते हुए नहीं सुना। वह चिल्लाने वाली नहीं है। वह कभी भी मेरे बच्चों पर चिल्लाती नहीं है। वह शांत और अंतर्मुखी व्यक्ति है, जैसा कि मैं तब होता हूँ जब मैं कक्षा से बाहर होता हूँ। एक दिन, मैंने कुछ ऐसा किया जो वास्तव में बेवकूफी भरा था, और इसलिए उसने मुझ पर चिल्लाना शुरू कर दिया, और यह वास्तव में बहुत तेज़ था। मैंने उसे कभी इस तरह आवाज़ उठाते नहीं देखा था और वह मुझ पर चिल्लाने लगी। अब इस समय, हम एक ऐसे घर में रह रहे थे जो लगभग था - क्या आप कभी ऐसे शहर में रहे हैं जहाँ आपके बगल के घर हैं - आप खिड़की से अपना हाथ बाहर निकाल सकते हैं और आप अगले दरवाजे वाले घर को छू सकते हैं - वहाँ एक है आपके घरों के बीच फुटपाथ और बस इतना ही। और इसलिए हमारे पास दोनों तरफ घर थे, एक खिड़की - गर्मी का मौसम है - यह सब खुला है, और वह इस आवाज़ के साथ चिल्लाना शुरू कर देती है, यह ऐसा है, "पवित्र गाय! " मैं उससे कहता हूँ, "एनेट, शांत हो जाओ, शांत हो जाओ! मेरा मतलब है, वे पुलिस को बुलाने जा रहे हैं!" और जैसे ही मैंने उसे शांत करने की कोशिश की, सोचो क्या होता है? वह शांत होने के बजाय और तेज़ हो जाती है। मुझे तो पता ही नहीं था कि उसकी आवाज़ इतनी तेज़ हो सकती है। मैंने उसे पहले कभी ऐसा करते नहीं सुना था! और इसलिए मैं उसे यह कहते हुए शांत करने की कोशिश कर रहा हूँ, "लोग हमारे लिए पुलिस बुलाने वाले हैं! वे सोचेंगे कि यहां कुछ बुरा हो रहा है इसलिए

शांत हो जाएं।" वह नहीं करेगी। वह बस मुझ पर चिल्लाती रही, मुझ पर चिल्लाती रही।

क्या वह मुझ पर इसलिये चिल्लायी क्योंकि वह मुझसे प्यार करती थी या इसलिये कि वह मुझ पर बहुत क्रोधित थी? मुझे बस मुझ पर दो अलग-अलग चिल्लाने दो, ठीक है? एक मुझ पर चिल्लाता है, "तुम कितने मूर्ख हो! मैं तुम्हें ऐसा कभी नहीं करने दूँगा - तुम्हें ऐसा दोबारा कभी नहीं करना चाहिए! वह सबसे मूर्खतापूर्ण बात थी - मैं आप पर विश्वास नहीं कर सकता! और फिर वह कहती है, "मैं यहाँ से बाहर हूँ। मैं तुम्हें दोबारा कभी नहीं देखना चाहता। मैंने इसे आपके पास रखा है। मैं तुम्हें दोबारा कभी नहीं देखना चाहता। मैं गया हूँ।" यह कैसा गया? "मैं चला गया, चला गया। मैं इसे अब और नहीं सह सकता। मैं यहां से बाहर हूँ।" ठीक है, क्या वह एक प्रकार है? जब मेरी पत्नी मुझ पर चिल्ला रही थी तो क्या वह यही कर रही थी? नहीं।

वह जो कर रही थी वह कह रही थी, "टेड, तुमने इसे फिर से किया। मैं तुम्हें दोबारा इसकी अनुमति नहीं दूँगा। आप उससे बेहतर इंसान हैं। मैं आपसे बेहतर की मांग करता हूँ। और मैं तुम्हें ऐसा दोबारा नहीं करने दूँगा क्योंकि वह पूरी तरह से अपमानजनक और पूरी तरह से सीमा से बाहर था, और तुम उससे बेहतर हो। और मैं तुम्हारे चेहरे पर तब तक चिल्लाता रहूँगा जब तक तुम उतने बेहतर इंसान नहीं बन जाते जितना तुम्हें बनना चाहिए था। अब प्रश्न: क्या यह इस तक पहुंचने का बिल्कुल अलग तरीका है? शब्द वास्तव में बहुत समान हो सकते हैं, लेकिन एक मामले में, वह मुझ पर चिल्ला रही है, मुझे पकड़कर कह रही है, "बेहतर करो! मुझे तुमसे प्यार है! आप बेहतर कर सकते हैं!" एक व्यक्ति के पास आ रहा है, दूसरा उसे बचा रहा है। आपको फर्क दिखता है?

जब इज़राइल शिकायत करता है, तो वे क्या कर रहे होते हैं? क्या वे भगवान के पीछे जा रहे हैं या वे जमानत ले रहे हैं? वे जमानत ले रहे हैं। जब मूसा परमेश्वर के पास आता है, तो क्या मूसा परमेश्वर के सामने आएगा ? हां वो करेगा। मैं आपको उनमें से कुछ यहां पढ़ूँगा। मूसा परमेश्वर के सामने मिलेगा। वह भगवान का सहारा नहीं ले रहा है, वह भगवान के पीछे आ रहा है और कह रहा है, "हे भगवान, यह सही नहीं है। तुम्हें बेहतर करना होगा।"

शिकायत और विलाप के बीच कोई अंतर नहीं है - मैं वास्तव में भजन की किताब के बारे में बात कर रहा हूँ। आप लोग स्तोत्र की किताब जानते हैं क्योंकि स्तोत्र ईश्वर की स्तुति का स्तोत्र है, है ना? "ओह, प्रभु का धन्यवाद करो क्योंकि वह भला है, क्योंकि उसका सच्चा प्रेम सदा बना रहता

है।" और हम भजनों से सभी अद्भुत स्तुतियाँ गाते हैं। मुझे प्रयास करने दीजिए - आप लोगों ने भजन 23 सीखा है ना? लेकिन यीशु से पहले, क्या उन्होंने एक हज़ार साल तक इसे गाया था? हाँ। "हे भगवान, हे भगवान, आपने मुझे क्यों छोड़ दिया? तुम मेरी कराहों से इतनी दूर क्यों हो?" या यदि आपको यह पसंद नहीं है तो भजन 13 पर वापस जाएँ: "हे प्रभु, तुम मुझे कब तक भूलोगे? हमेशा के लिए?" चित्र - आप एक चर्च में हैं, और कोई आदमी खड़ा होता है और अपनी प्रार्थना इस तरह शुरू करता है: "हे भगवान, तुम मुझे हमेशा के लिए कब तक भूलोगे? आप कब तक ऐसा करेंगे" - क्या यह वास्तव में अच्छी तरह से चलेगा? बुजुर्ग उसे एक तरफ खींचते और कहते, "तुम्हें पता है, क्या तुम समझते हो? भगवान आपको नहीं भूलते. भगवान सब कुछ जानता है. ईश्वर आपसे प्रेम करता है और आपके जीवन के लिए उसके पास एक अद्भुत योजना है।"

भजनहार क्या कहता है? भजनहार कहता है, "हे प्रभु, तू मुझे कब तक भूलोगा? हमेशा के लिए?"

अब, यह भजन की पुस्तक में है। आप वास्तव में एक बुरा चाहते हैं? अधिकांश विलाप - आप सही हैं - अधिकांश विलाप का अंत सकारात्मक होता है। पिछले साल मेरे मामले पर कोई कह रहा था, "सभी विलाप सकारात्मक हो जाते हैं।" नहीं - नहीं। आप भजन 88 को नहीं जानते - मुझे आप लोगों को यह भी नहीं बताना चाहिए - भजन 88 - पूरे में केवल एक ही भजन है जो एक विलाप है और अनुमान लगाएं कि इसका अंत कैसे होगा? उनमें से अधिकांश अंत में प्रसारण के लिए सामने आते हैं। क्या भजन 88 आता है? नहीं, इसका अंत अंधकार में होता है। और इसलिए मैं आपको जो सुझाव दे रहा हूँ वह है - यह बहुत दिलचस्प है - भजन 88।

अब तुम यहाँ से कहाँ जाओगे? विलाप को शब्दों में व्यक्त करने में ईसाइयों की असमर्थता है। दूसरे शब्दों में, ईसाइयों के रूप में, सब कुछ ठीक होना चाहिए। हर चीज़ पर भगवान का नियंत्रण है। भगवान के पास आपके जीवन के लिए एक अद्भुत योजना है। ईश्वर आपसे प्रेम करता है और आपके जीवन के लिए उसके पास एक अद्भुत योजना है। सब कुछ ठीक होना चाहिए. एक ईसाई के रूप में, आपके चेहरे पर हमेशा मुस्कान रहनी चाहिए क्योंकि ईश्वर बहुत अद्भुत है। प्रश्न - क्या मूसा के चेहरे पर हमेशा मुस्कान रहती थी? क्या भजनहार के चेहरे पर हर समय मुस्कान रहती थी? मैं जो सुझाव दे रहा हूँ वह यह है कि उन लोगों से सावधान रहें जो हर समय उत्साह में रहते हैं। उन लोगों से भी सावधान रहें जो हर समय नीच रहते हैं। क्या जीवन के उतार-चढ़ाव में ही

जीवन जिया जाता है? इस ईसाई के बारे में सावधान रहें, हर चीज को अच्छी बात माना जा सकता है क्योंकि मैं आपसे पूछूंगा - क्या मूसा भगवान का आदमी है?

मूसा को सुनें जब वह ईश्वर को संबोधित करता है: "मूसा ने लोगों को विलाप करते हुए सुना," मूलतः क्योंकि वहाँ खाने के लिए कोई मांस नहीं था। तो मूसा - यह गिनती का अध्याय 11, श्लोक 10 है - "हर एक अपने घर के प्रवेश द्वार पर था, और यहोवा अत्यधिक क्रोधित हुआ, और मूसा घबरा गया। और उसने, [ मूसा] ने प्रभु से पूछा, 'तू ने अपने दास पर यह विपत्ति क्यों डाली है?'" क्या यह एक अलंकारिक प्रश्न है या यह एक वास्तविक प्रश्न है? "तू ने अपने दास पर यह विपत्ति क्यों डाली है? मैंने आपको अप्रसन्न करने के लिए ऐसा क्या किया है कि इन लोगों का बोझ मुझ पर डाला है? क्या मैंने इन लोगों की कल्पना की थी? क्या मैंने उन्हें जन्म दिया?" मूसा कह रहा है, "मैंने उन्हें जन्म नहीं दिया। आपने इन सभी लोगों को मुझ पर डाल दिया - मुझे इन सभी लोगों को अपनी पीठ पर ले जाना है, भगवान। मैंने इन लोगों को जन्म नहीं दिया। मैंने इन सभी लोगों की कल्पना नहीं की थी।" निहितार्थ क्या है? इन लोगों की कल्पना किसने की? फिर जन्म किसने दिया? भगवान ने किया। तो मूसा इन अलंकारिक प्रश्नों का उपयोग क्या करने के लिए कर रहा है? भगवान पर आरोप लगाना।

पहले मैं इसे खत्म कर लूं और फिर हम उस पर वापस आएं। "आप मुझसे उन्हें अपनी बाहों में ले जाने के लिए क्यों कहते हैं जैसे एक नर्स एक शिशु को उस देश में ले जाती है जिसका आपने उनके पूर्वजों से शपथ खाकर वादा किया था? मैं इन सभी लोगों के लिए मांस कहाँ से ला सकता हूँ? वे मेरे लिए विलाप करते रहते हैं। हमें खाने के लिए मांस दो! मैं इन लोगों को अकेले नहीं ले जा सकता। यह बोझ मेरे लिए बहुत भारी है।" क्या मूसा बहुत ही सशक्त तरीके से ईश्वर के पास आ रहा है? वैसे, क्या यह मूसा, परमेश्वर का आदमी है? क्या वह पुराने नियम के सबसे महान भविष्यवक्ताओं में से एक है? ध्यान दें कि वह वास्तव में मजबूत तरीके से भगवान के पास कैसे आता है। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि ये चीजें हमारे लिए लिखी गई हैं। वह विलाप कर रहा है और भगवान उससे निपटते हैं।

**एई. गुस्से में अनुशासन?** [87:55-91:52]

अब, जब आप क्रोधित हों तो क्या आपको अपने बच्चों को अनुशासित करना चाहिए?

आपमें से कितने लोगों को यह बताया गया है, "जब आप क्रोधित होते हैं तो आप कभी भी अपने बच्चों को अनुशासित नहीं करते हैं"? मैं आपसे पूछता हूँ, आपके कितने माता-पिता ने क्रोधित होने पर आपको अनुशासित किया है ? क्या भगवान क्रोध में होने पर अपने बच्चों को अनुशासित करते हैं? अब, वैसे, क्या क्रोध एक समस्या है? बहुत ज़्यादा गुस्सा हिंसा और बुरी चीज़ों को जन्म दे सकता है। मैं जिन लोगों को जानता हूँ उनमें से बहुत से लोग क्रोध के कारण जेल में हैं। लड़के ने उसकी प्रेमिका को चुरा लिया और वह बाहर गया और बंदूक ले आया और उसे मार डाला क्योंकि वह बहुत क्रोधित और ईर्ष्यालु था। तो गुस्सा वास्तव में बुरा हो सकता है। लेकिन, दूसरी ओर, क्या हमने, आधुनिक संस्कृति में रहते हुए, क्रोध को अपने अस्तित्व से बाहर निकाल दिया है? क्या क्रोध कभी उचित होता है? क्या भगवान क्रोधित होते हैं? ईसाई होने के नाते हम इसे संभाल नहीं सकते। हम प्रेम के देवता से प्रेम करते हैं। ईश्वर प्रेम है, शांति है। वह हर किसी से प्यार करता है। उसके पास आपके जीवन के लिए एक अद्भुत योजना है। आप लोगों ने संख्याएँ पढ़ी हैं। क्या भगवान कभी-कभी हैक हो जाते हैं? हाँ वह करता है। इसलिए आपको सामान के बारे में वास्तव में सावधान रहना होगा। जब परमेश्वर क्रोध में होता है तो वह लोगों को अनुशासित करता है।

क्या सारा गुस्सा गलत है? नया नियम कहता है, "क्रोध करो और" क्या? " पाप मत करो।" "क्रोध करो और पाप मत करो।" जब आप अन्याय देखते हैं तो क्या क्रोध आना चाहिए? जब आप अन्याय देखें तो क्रोध आना चाहिए। "क्रोध करो और पाप मत करो।"

तो, दूसरे शब्दों में, क्रोधित होने का एक समय है और न करने का भी एक समय है। मूसा अलंकारिक प्रश्नों का उपयोग करता है, फिर, प्रश्न पूछने के लिए अलंकारिक प्रश्नों के रूप में नहीं, उसके अलंकारिक प्रश्न ईश्वर पर उसके आक्रामक आक्रमण हैं। वह भगवान को डांट रहा है। भविष्यवक्ताओं द्वारा लोगों को फटकारने के लिए अक्सर अलंकारिक प्रश्नों का उपयोग किया जाता है। यहां मूसा के मामले में, वह अलंकारिक प्रश्नों का उपयोग ईश्वर को फटकारने के रूप में कर रहा है। अब यहाँ एक और प्रश्न है - यह एक मजबूत प्रश्न है - क्या एक ईसाई के लिए मृत्यु की इच्छा करना संभव है? यह परमेश्वर का जन मूसा है, वह कहता है, "हे परमेश्वर, यदि तू मेरे साथ ऐसा ही व्यवहार करेगा, तो मुझे अभी मृत्युदंड दे।" वैसे, क्या मैं लोगों को उस प्रार्थना की अनुशांसा करता हूँ? नहीं, आप भगवान से बात कर रहे हैं - वहाँ समस्या क्या है? भगवान लोगों को मौत की सज़ा दे

सकते हैं. क्या मूसा का परमेश्वर के साथ कोई अद्भुत रिश्ता है? हाँ वह करता है। क्या मूसा इतना निराश था कि वह कहता है, "हे भगवान, यदि तू मुझे इन सभी लोगों को ले जाए, तो मैं इसे और नहीं कर सकता। यदि तुम मेरे साथ इसी तरह व्यवहार करोगे तो मुझे मार डालो। अभी मुझे बाहर निकालो।”

अब, भगवान क्या करता है? क्या परमेश्वर ने मूसा को डाँटा? नहीं, भगवान मूसा की मदद करते हैं, और मूल रूप से, भगवान मूसा से कहते हैं, "मैं तुम पर आत्मा लेने जा रहा हूँ, मूसा, - इस्राएल के बुजुर्गों और नेताओं को एक साथ लाओ, - मैं आत्मा लेने जा रहा हूँ तुम से दूर, मूसा, और मैं इसे इन सत्तर लोगों पर डालने जा रहा हूँ। क्या मूसा सत्तर लोगों का बोझ ढो रहा था? कोई आश्चर्य नहीं कि वह आदमी नीचे क्यों था। वह यह बोझ ढो रहा था - यह उसके लिए बहुत भारी है। परमेश्वर ने मूसा का भार इस्राएल के सत्तर अगुवों पर बाँट दिया। इस प्रकार मूसा की आत्मा फैल गई। जब परमेश्वर मूसा के साथ व्यवहार करता है तो यह एक सुन्दर बात है। मूसा भगवान के सामने आता है, लेकिन यह उस तरह की चीजें हैं जहाँ वह कह रहा है, "भगवान, कुछ करो!" भगवान कुछ करते हैं और आत्मा लेते हैं और इसे इन सत्तर लोगों पर डालते हैं। तो यह वास्तव में एक अच्छी बात है।

अब, अगली कक्षा में, हम संख्याओं, अध्याय 12 से निपटने जा रहे हैं। संख्याएँ अध्याय 12 इस प्रश्न का उत्तर देगा: भगवान अंतरजातीय विवाह के बारे में क्या सोचते हैं? अब यह आज हमारी संस्कृति में कोई बड़ा सवाल नहीं है, लेकिन इसके लिए बाइबिल डेटा मौजूद है। हम अगली बार उस पर गौर करना चाहते हैं।

सारा वुडबरी द्वारा लिखित  
टेड हिल्डेब्रांट 2 द्वारा रफ संपादित